छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 11 ■ अम्बिकापुर, रविवार 28 दिसम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों में रिफर करने की शिकायत पर होगी कड़ी कार्रवाई

मातृत्व मृत्यु दर शून्य लाने का हो प्रयास, हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की करें विशेष निगरानी

कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासकीय चिकित्सालयों या स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों के द्वारा मरीजों को प्राइवेट चिकित्सालयों में रेफर करने की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधितों पर कार्रवाई की जाएगी। मरीजों को परेशानी ना हो, उन्हें भ्रमित ना करें, उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करें। नर्सिंग होम की व्यवस्था सुदृढ़ करने की दिशा में नर्सिंग होम एक्ट के तहत अवैध क्लीनिकों पर कार्रवाई की जाए। उक्त बातें कलेक्टर अजीत वसंत ने शनिवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में कही।

कलेक्टर ने सख्त निर्देश देते हुए स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों को आमजन तक सुलभ बनाने निर्देशित किया। कलेक्टर ने विभाग को अपने दायित्वों का ईमानदारी के साथ निर्वहन करने कहा। समीक्षा के दौरान कहा कि आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। बैठक में कलेक्टर ने जिले में मातृत्व मृत्यु दर की जानकारी लेते हुए कहा कि मातृत्व मृत्यु दर शून्य करना हमारी प्राथमिकता है। गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त पोषण आहार उपलब्ध कराना, गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच, आवश्यक दवाइयों, टीकाकरण आदि सुनिश्चित करें। शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव के लिए लोगों को प्रेरित करना होगा, इसमें मितानिन की भूमिका महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि पहुंचविहीन क्षेत्रों में गृह प्रसव को कम करना होगा। उन्होंने हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की विशेष निगरानी रखने निर्देशित किया तथा कहा कि मितानिन गर्भवती महिलाओं को जांच हेतु प्रोत्साहित करेंगे। जांच में चिन्हांकित महिलाओं की सतत मॉनिटरिंग की जाए, सभी बीएमओ इस ओर गम्भीरता से कार्य करें। बैठक में कलेक्टर ने गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्रों में भेजने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रों में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। जिले में नए एनआरसी बनाने हेतु हेतु स्थान चयन करें, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को सहित राष्ट्रीय कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी, बीएमओ, डीपीएम, बीपीएम तथा सर्वसंबन्धित उपस्थित रहे।

वेक्टर जनित रोगों के प्रभाव की ली जानकारी

कलेक्टर ने जिले में वेक्टर जनित रोगों के प्रभाव की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण के लिए नियमित रूप से सर्विलेंस करें, साथ ही जांच के बाद पाए गए पॉजिटिव मरीजों का पूर्ण रूप से इलाज सुनिश्चित करें। लोगों को जागरूक करें, वेक्टर जनित बीमारियों के लक्षण एवं बचाव के तरीके भी बताए जाएं। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि आपसी समन्वय एवं सहयोग से राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण के लिए प्रभावी प्रयास किया जाए, जिससे वेक्टर जनित बीमारियों पर नियंत्रण हो सके।

स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति पर हुई गहन चर्चा

बैठक में जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, आमजनों तक सेवाओं की पहुंच, स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति, चिकित्सकों की उपलब्धता, चिकित्सकीय उपकरणों, दवाइयों की उपलब्धता सहित अन्य महत्वपूर्ण मानकों के संबंध में विस्तृत जानकारी ली गई। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र भवनों की उपलब्धता की जानकारी ली तथा निर्माणाधीन भवनों को जल्द पूरा कराने निर्देशित किया। जिले में चिकित्सकीय स्टाफ की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे केंद्र जहां भवन उपलब्ध हैं, वहां रिक्तियों की सूची तैयार करें। जिस केंद्र में पद शून्य है, उन्हें प्राथमिकता पर रखें। उन्होंने एम्बुलेंस की उपलब्धता की जानकारी ली और कहा विभाग को प्रदान किए गए एम्बुलेंस लगातार संचालित रहें। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर अवगत कराएं। जिले में पर्याप्त मात्रा में चिकित्सकीय उपकरण उपलब्ध हों। चिकित्सकों का मरीजों के प्रति व्यवहार अच्छा रहे, संवेदनशीलता के साथ उपचार किया जाए। पीवीटीजी लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचे।

सिकल सेल स्क्रीनिंग कर कार्ड वितरण किया जाए

बैठक में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, कुष्ठ उन्मूलन, मलेरिया नियंत्रण, अंधत्व निवारण, तम्बाकू नियंत्रण, एनीमिया मुक्त भारत, बाल स्वास्थ्य कार्यक्रमों सहित अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए संबंधित विकासखंडों को शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सिकल सेल बीमारी के प्रति जागरूकता और जांच-उपचार सुविधाओं को और सुदृढ़ करने की जरूरत है। उन्होंने व्यापक सिकल सेल स्क्रीनिंग कर सिकल सेल कार्ड का वितरण करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि टीबी मरीजों की नियमित फॉलोअप रिपोर्ट तैयार की जाए और उपचार में किसी भी तरह की लापरवाही न हो। बैठक में आयुष विभाग द्वारा जारी कार्यक्रमों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

मोटरसायकल सवारों ने कार सवार से जेवर का थैला लूटने का प्रयास किया

एक संदिग्ध सड़क हादसे में हुआ घायल, चल रहा उपचार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मोटरसायकल सवार नकाबपोशों ने कार सवार से जेवर का थैला लूटने का प्रयास किया, घटना से भयभीत ज्वेलरी दुकान के संचालक ने घटना की रिपोर्ट सीतापुर थाने में दर्ज कराई है। वहीं एक संदिग्ध के घायल होने की खबर है, जिसका क्षेत्रीय अस्पताल में उपचार चल रहा है। जानकारी के मुताबिक सीतापुर थाना क्षेत्र के चम्पकपारा पुरानी बस्ती में ब्रम्हदेव सोनी पिता स्व. काशीनाथ सोनी 51 वर्ष का निवास है। 23 दिसम्बर, मंगलवार को रात लगभग 7.15 बजे उनकी पत्नी श्वेता सोनी अपने स्कूटी में अपने कर्मचारी के साथ सीतापुर बाजार से घर वापस आ रही थी। इस दौरान घर से पहले गली में दो संदिग्ध मोटरसायकल सवार व्यक्ति चेहरा बांधकर खड़े हुए दिखाई दिए। शक होने पर वह तत्काल फोन से इसकी सूचना अपने पति को दी। दुकान से घर आ रहे ब्रम्हदेव सोनी ने संजीत सोनी के घर के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों को मोटरसायकल में देखा, और उनसे तुम लोग कौन हो, पूछा। इसके बाद दोनों अपने मोटरसायकल को तेज गति से चलाकर कदम चैक की ओर भागने लगे। ब्रम्हदेव सोनी ने इनका पीछा किया तो मोटरसायकल का नंबर सीजी 04 एनपी 5625 नजर आया। संदिग्धों की मौजूदगी से भयभीत होकर वे इसकी जानकारी देने के लिए थाना पहुंचे थे। इस बीच उनका भतीजा विवेक सोनी दुकान बंद करके अपनी मां के साथ रात लगभग 8 बजे कार से घर आ रहा था। विवेक सोनी फोन करके बताया कि घर से पहले मोड़ में जब कार धीरे हुआ, तो मुंह बांधकर रखे दो संदिग्ध व्यक्ति जबरजस्ती कार को रोकवाकर जेवर का थैला लूटने का प्रयास करने लगे। इनकी हकरत से डरकर वह गाड़ी को तेज चलाते हुए घर के पास आ गया, और दोनों व्यक्ति कार के पीछे-पीछे घर के पास आ गए। इधर विवेक कार को गेट के पास खड़ा करके जोर-जोर से हार्न बजाने लगा। हार्न की आवाज सुनकर दोनों संदिग्ध मोटरसायकल सवार भागने लगे। कार से पीछा करने पर मोटरसायकल सवार पत्थलगांव रोड, चलता मोड़ से कापू रोड की ओर भागने लगे। हर्राटिकरा मोड़ के पास सड़क हादसे में एक जख्मी हो गया, दूसरा भागने में सफल हो गया। घटनास्थल से डॉयल 112 वाहन के द्वारा घायल व्यक्ति को अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। संदिग्ध व्यक्ति का मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 डीई 8702 बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खेत जोतने से मना करने पर भतीजे से मारपीट, मोबाइल फोन पटका

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खेत जोतने से मना करने पर चाचा ने भतीजे की पिटाई कर दी और मोबाइल फोन को जमीन पर पटक दिया। रिपोर्ट पर गांधीनगर थाना पुलिस ने दो आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

मेंड्राखुर्द निवासी रामकुमार राजवाड़े ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 24 दिसम्बर को दोपहर करीब 2 बजे के लगभग वह अपने खेत की ओर मोटर बंद करने गया था, तो देखा कि उसके खेत को बड़े पापा मोहन राजवाड़े और रतन राजवाड़े ट्रेक्टर से जोताई कर रहे थे। खेत जोतने से मना करने पर दोनों नाराज होकर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर हाथ, मुक्का, लात से मारपीट करने लगे और रामकुमार के मोबाइल फोन को जमीन पर पटक दिया। खेत में लगे बोर को भी तोड़फोड़ करके क्षतिग्रस्त कर दिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 115(2), 296, 3(5), 324(2), 351(3) का मामला दर्ज किया है।

आकस्मिक अवकाश पर गए कर्मचारियों का अवकाश होगा निरस्त

फेडरेशन की हड़ताल को देखते हुए चिकित्सालय प्रबंधन समिति ने की आपात बैठक

मरीजों के उपचार में बाधा न आए, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाने पर जोर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय में शनिवार को चिकित्सालय प्रबंधन समिति ने आपातकालीन बैठक आयोजित की। बैठक में संभावित आपातकालीन स्थिति एवं नर्सिंग स्टाफ के आगामी हड़ताल पर जाने की स्थिति में मरीजों के उपचार व देखभाल पर किसी भी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा एवं चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. आर.सी. आर्या ने की।

अस्पताल अधीक्षक ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हड़ताल की स्थिति में भी चिकित्सा सेवाएं निरंतर व सुचारू रूप से चलती रहें, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही मरीजों को आपातकालीन एवं नियमित सेवाओं में किसी भी तरह असुविधा न हो, इस हेतु विस्तृत कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही आकस्मिक अवकाश पर गए कर्मचारियों का अवकाश निरस्त करते हुए वापस बुलाने का निर्णय लिया गया। अधीक्षक द्वारा विभिन्न विभागों में ड्यूटी व्यवस्था, उपलब्ध मानव संसाधन, आवश्यक दवाइयों व उपकरणों की उपलब्धता तथा आपातकालीन मरीजों के त्वरित उपचार व्यवस्था को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। बैठक में आश्वस्त किया गया कि चिकित्सालय प्रबंधन पूरी सतर्कता के साथ आगामी परिस्थितियों से निपटने हेतु तैयार रहें। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. जे.के. रेलवानी, उप अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी.आर. सिंह, सहायक अस्पताल अधीक्षक डॉ. जी.के. दामले, डॉ. अर्पण सिंह चौहान, डॉ. संतू बाघ, मैट्रन सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

अंबिकापुर में 4 डिग्री, मैनपाट में 2 डिग्री से नीचे पारा, 31 दिसंबर तक शीतलहर का अलर्ट

मैनपाट में ओस की बूंदों के जमने से बदला नजारा, ठिठुरन भरी रही शनिवार की रात

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। उत्तरी छत्तीसगढ़ पूरी तरह से शीतलहर की चपेट में है। इस सीजन में सबसे ठंडी शनिवार की रात रही। दिसंबर माहांत के अंतिम सप्ताह में सरगुजा संभाग में ठंड का तेवर और बढ़ गया है। अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 4 डिग्री दर्ज किया गया है। वहीं सरगुजा जिले के मैनपाट का पारा 2 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। यहां शनिवार की सुबह जगह-जगह बर्फ की सफेद चादर बिछी हुई नजर आई। ओस की बूंदे जम रही हैं। पाट क्षेत्रों में ठंड से लोगों का हाल-बेहाल है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार ठंड से अभी राहत की उम्मीद नहीं है। 31 दिसंबर तक शीतलहर का अलर्ट जारी कर दिया गया है।

सरगुजा संभाग में पिछले कई दिनों से शीतलहर का प्रकोप है। पिछले 10 दिनों से न्यूनतम तापमान 6 डिग्री से नीचे बना हुआ है। शनिवार की रात तक न्यूनतम तापमान गिरकर 4 डिग्री पहुंच गया है, जो इस सीजन की सबसे ठंडी रात होगी। ठंड के कारण लोगों का हाल-बेहाल है। दिन में भी ठंड से राहत नहीं है। पूरे दिन लोग गर्म कपड़ों में नजर आ रहे हैं। शाम होते ही ठंड का प्रकोप और बढ़ जा रहा है। कंपकपाने वाली ठंड से लोगों का हाल बेहाल है। लोग ठंड से बचने के लिए अलाव, रूम हीटर सहित अन्य व्यवस्था अपना रहे हैं। पाट क्षेत्रों में ठंड और अधिक पड़ रही है। सरगुजा जिले के मैनपाट व बलरामपुर जिले के सामरी पाट में ठंड से लोग बेहाल हैं। मैनपाट का न्यूनतम तापमान 2 डिग्री से नीचे पहुंचने से रविवार की सुबह यहां जगह-जगह बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। फूलों के पौधे, पत्तियों, घास व पुआल पर ओस की बूंदे का जमाव होने से अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है।

मौसम वैज्ञानिक ने कहा

मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल के अनुसार उत्तर दिशा की ओर से शुष्क हवाओं के आने का क्रम जारी है। इस लिए यहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है। न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। 31 दिसंबर तक शीतलहर का अलर्ट जारी है, ठंड से राहत की उम्मीद नहीं है।

अलाव बना सहारा

नगर निगम द्वारा कड़ाके की ठंड को देखते हुए अंबिकापुर के विभिन्न चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। वहीं लोगों ने भी ठंड से बचने के लिए अपने-अपने घरों में अलाव सहित इलेक्ट्रिक हीटर का सहारा ले रहे हैं।

सरगुजा जिले में धान उपार्जन की प्रगति, पारदर्शी व्यवस्था से किसानों को मिल रहा लाभ

अब तक 12,64,694.8 क्विंटल धान की खरीदी, 4,938 किसानों ने किया रकबा समर्पण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला में खरीफ विपणन वर्ष अंतर्गत धान उपार्जन कार्य सुव्यवस्थित एवं पारदर्शिता से संचालित किया जा रहा है। प्रशासन की सतत निगरानी एवं डिजिटल व्यवस्थाओं की वजह से धान खरीदी और उठाव की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

जिला खाद्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में अब तक कुल 12,64,694.8 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है, वहीं 58,890 क्विंटल धान का उठाव भी सफलतापूर्वक किया गया है, जिससे उपार्जन केन्द्रों पर भंडारण की व्यवस्था संतुलित बनी हुई है। जिले में धान उपार्जन के लिए कुल 60,330 किसानों का पंजीयन किया गया है, जिनमें से अब तक 22,439 किसान धान विक्रय कर चुके हैं। बड़ी संख्या में किसानों की भागीदारी यह दर्शाती है कि जिले में जारी धान खरीदी व्यवस्था पर किसानों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही किसानों द्वारा रकबा समर्पण की प्रक्रिया भी पारदर्शी रूप से संचालित की जा रही है। जिले में 4,938 किसानों द्वारा रकबा समर्पण किया गया है, जिसके अंतर्गत कुल 226.41 हेक्टेयर रकबा समर्पित किया गया है। यह प्रक्रिया वास्तविक उत्पादन के अनुरूप खरीदी सुनिश्चित करने तथा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा धान उपार्जन केन्द्रों पर किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। टोकन प्रणाली, समयबद्ध भुगतान, नमी परीक्षण, बारदाना की उपलब्धता एवं पेयजल, बैठक जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। शासन के मंशानुरूप यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पात्र किसान को समर्थन मूल्य पर धान विक्रय का पूरा लाभ मिले और खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी, सरल एवं भरोसेमंद बनी रहे।

अनुशासनहीनता पर पंचायत सचिव तत्काल प्रभाव से निलंबित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान 26 दिसंबर 2025 को चेकपोस्ट रामानुजगंज में श्री सिद्धार्थ शंकर हालदार, पंचायत सचिव ग्राम पंचायत विजयनगर, जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर, में ड्यूटी समय प्रात: 06:00 से दोपहर 02:00 बजे तक अनुपस्थित पाये गये। पंचायत सचिव का उपरोक्त कृत्य कार्य के प्रति उनकी घोर लापरवाही, उदासीनता एवं स्वेच्छाचारिता को प्रदर्शित करता है। जो छ.ग. पंचायत सेवा (आचरण) नियम 1998 के नियम तीन (1) (2) (3) के विपरीत कदाचरण की श्रेणी में आता है। जिला पंचायत सीईओ के द्वारा श्री सिद्धार्थ शंकर हालदार, पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत विजयनगर, जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर को उपरोक्त कृत्य हेतु छ.ग. पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम, 1999 के नियम 4 के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में सिद्धार्थ शंकर हालदार का मुख्यालय जनपद पंचायत बलरामपुर नियत किया जाता है।

संभाग उपायुक्त ने किया विभिन्न ग्राम पंचायत का निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सरगुजा संभाग उपायुक्त श्री आर. के. खुटे द्वारा जिले के विकासखंड वाड्रफनगर अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत मदनपुर, गिरवानी, बेबदी, शारदापुर (सु) एवं मानपुर में निर्मित अमृत सरोवर का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री खुटे ने अमृत सरोवर की वर्तमान स्थिति, जलभराव, सौंदर्यीकरण एवं रख-रखाव का जायजा लेते हुए आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को दिए। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर शासन की महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करना है, अत: कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता

सुनिश्चित करें। इस दौरान उपायुक्त श्री खूटे ने ग्राम पंचायतों के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों से विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा मनरेगा अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा भी की। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि स्वीकृत कार्यों को नियमानुसार पूर्ण कर ग्रामीणों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाए। निरीक्षण के दौरान जनपद सीईओ श्री निजाम, मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी, एसडीओ आरईएस, पंचायत निरीक्षक एवं तकनीकी सहायक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उपार्जन केंद्रों में व्यवस्थित धान खरीदी से किसानों में संतोष

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया पूरी तरह सुचारू पारदर्शी एवं व्यवस्थित रूप से जारी है। किसान बिना किसी परेशानी के अपना धान उपार्जन केंद्रों में विक्रय कर रहे हैं। निर्धारित समय पर सुव्यवस्थित तौल व्यवस्था एवं त्वरित भुगतान की सुविधा से किसान संतुष्ट है।

इसी क्रम में धान उपार्जन केंद्र बरदर में किसान श्री राजेश्वर मेहता 105 बोरी धान लेकर विक्रय के लिए पहुंचे। उन्होंने बताया कि धान बेचने की पूरी प्रक्रिया सरल और सुविधाजनक रही उन्हें किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा। केंद्र में तौल, पंजीयन एवं अन्य व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित की जा रही हैं, जिससे किसानों को समय की बचत हो रही है।किसान श्री मेहता ने बताया कि धान विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग वे आगामी कृषि कार्यों, जैसे बीज, खाद एवं अन्य कृषि आदानों की खरीद में करेंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना का लाभ भी लिए है, जिससे खेती-किसानी के लिए समय पर ऋण उपलब्ध हो सका और आर्थिक दबाव कम

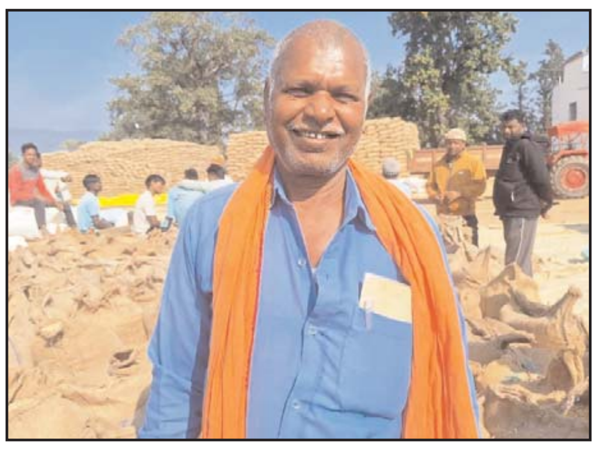

हुआ। उन्होंने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि योजनाओं से ग्रामीण जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। श्री मेहता को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पक्का आवास प्राप्त हुआ है, जिससे उनके परिवार को सुरक्षित आवास सुविधा मिली है। उनकी पत्नी को महतारी वंदन योजना का लाभ भी नियमित रूप से मिल रहा है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिली है।

श्री राजेश्वर कहते हैं कि शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाएं न केवल उनकी आय बढ़ाने में सहायक हैं, बल्कि आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान कर रही हैं।

जिले की 476 ग्राम पंचायतों में विशेष ग्रामसभा आयोजित

★ विकसित भारत-गारंटी, रोजगार आजीविका मिशन के प्रावधानों की जानकारी ★ प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों की मजदूरी रोजगार

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विकसित भारत रोजगार एवं रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं योजना के संबंध में जन-जागरूकता के उद्देश्य से जिले की सभी 476 ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। आयोजित ग्रामसभा में विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप समृद्ध एवं सुदृढ़ ग्रामीण भारत के निर्माण हेतु सशक्तिकरण, विकास, अभिसरण एवं संतृप्ति की अवधारणा पर विस्तार से जानकारी दी गई। ग्राम सभा में बताया गया कि योजना के अंतर्गत अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक प्रत्येक ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को

प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों का मजदूरी-आधारित रोजगार प्रदान किए जाने का प्रावधान है। जिससे ग्रामीण आजीविका को सशक्त आधार मिलेगा।

ग्रामसभा में विकसित भारत गारंटी, रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत प्रस्तावित कार्यों, कार्यों के आयोजन की प्रक्रिया, कृषि के व्यस्त समय में पर्याप्त कृषि श्रमिकों की उपलब्धता, योजना का स्वरूप, वित्त पोषण पद्धति तथा राज्यों को मानक आधारित आबंटन की जानकारी दी गई। जिसमें जल सुरक्षा और संरक्षण कार्य, ग्रामीण अद्योसंरचना से जुड़े कार्य, आजीविका संवर्धन कार्य, जलवायु परिवर्तन व प्रतिकूल मौसम से निपटने वाले कार्य इन चारों क्षेत्रों को मिलाकर सतत विकास, सामाजिक सशक्तिकरण, अभिसरण एवं स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने की दिशा में योजना की भूमिका को स्पष्ट किया गया। आयोजित ग्रामसभा में ग्राम के गणमान्य नागरिक, श्रमिक, महिलाएं, स्व-सहायता समूह की सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रामीण आजीविका को मजबूती देने मनरेगा अंतर्गत आजीविका डबरी निर्माण का शुभारम्भ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के सभी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत स्वीकृत आजीविका डबरी कार्य किया जा रहा है इसी कड़ी में जनपद पंचायत वाड्रफनगर अंतर्गत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत स्वीकृत आजीविका डबरी निर्माण कार्य का शुभारम्भ ग्राम पंचायत स्तर पर किया गया। कार्य शुभारम्भ कार्यक्रम में स्व-सहायता समूह की महिलाएँ, हितग्राही परिवार एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच, जनपद सदस्य सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा आजीविका डबरी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इस संरचना से भविष्य में सिंचाई, मत्स्य पालन एवं कृषि आधारित गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों की आजीविका सुदृढ़ करने का प्रमुख साधन सिद्ध होगी। मनरेगा के अंतर्गत निर्मित आजीविका डबरी न केवल रोजगार सृजन में सहायक होगी, बल्कि क्षेत्र में आर्थिक आत्मनिर्भरता एवं स्थायी आजीविका के अवसर भी उपलब्ध कराएगी। ग्रामीणों एवं विशेषकर महिलाओं ने इस पहल का स्वागत करते हुए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

बस्तामुक्त विद्यालय में वीर बाल दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त माध्यमिक शाला रुनियाडीह में वीर बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सह वक्ता वासुदेव यादव प्रदेश सचिव अखिल भारतीय बनवासी कल्याण आश्रम जशपुर प्रांत रहे। इस दौरान मंच पर अन्य अतिथियों में गुरुद्वारा समिति बिश्रामपुर के ज्ञानी अनिल सिंह, राजेश कुमार, शशि किरण खेस, जयंती भगत, शेष नारायण क्षत्रिय, देवेंद्र सिंह उपस्थित रहे। संस्था में गीत, कविता, भाषण तथा चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता वासुदेव यादव द्वारा सिक्ख समुदाय के योगदान को भारतीय समाज के लिए अतुलनीय बताया तथा इनके जैसा समाज हितैषी बनने हेतु उपस्थित जनों को प्रेरित किया गया। गुरुद्वारा समिति के ज्ञानी अनिल सिंह द्वारा उपस्थित जनों को सिक्ख गुरुओं सहित समुदाय के कार्यों को बताते हुए उनके बलिदानों को याद किया गया। इस दौरान संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी, ओमवती नेताम, पार्वती सिंह, चंद्रकला, हेमराज सिंह, गोपाल राम, एनवति राजवाड़े अध्यक्ष एसएमसी, कौशिल्या राजवाड़े, विजेंद्र लाल जायसवाल शैक्षिक समन्वयक,

पार्वती राजवाड़े, संजीव सिंह, राजेश साहू, सोनी सिंह, शांति सिंह, जया भारती सिंह, कल्पना सिंह, साधना सिंह, प्रिया सिंह, शांति सिंह तथा सोना बाई, रिजवान अंसारी, एम. टोप्पो, पूनम गुप्ता व अन्य उपस्थित थे। वीर बाल दिवस विषय पर आयोजित चित्रकारी में प्रथम शिवम विश्वकर्मा, द्वितीय शांति सिंह, तृतीय वेद कुमार राजवाडे, सांत्वना पुरस्कार घरभरन राजवाड़े, भाषण में प्रथम पायल राजवाड़े, द्वितीय मिनाक्षी राजवाड़े, तृतीय शांति सिंह, गीत में प्रथम मिनाक्षी एवं टिकेश्वरी राजवाड़े, द्वितीय वेद राजवाड़े, तृतीय पायल, रूपा सिंह एवं शांति सिंह, कविता में प्रथम विनीता एवं वंदना, द्वितीय कुश देवांगन, तृतीय सुनीता राजवाड़े एवं सांत्वना पुरस्कार में ललिता राजवाड़े एवं पूर्णिमा, रूपा सिंह, पायल रजवाड़े, उमेश सिंह तथा शांति सिंह को सम्मानित किया गया।

केनापारा पर्यटन केंद्र में केंद्रीय मंत्री के प्रस्तावित दौरे से बढ़ी हलचल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयला उत्पादन के बाद बेकार पड़ी पोखरी को माइंस क्लोजर मद से विकसित कर बनाए गए केनापारा पर्यटन केंद्र को एक बार फिर संवारने की कवायद शुरू हो गई है। प्रशासनिक लापरवाही के कारण वर्षों से उजाड़ हो चुका यह पर्यटन केंद्र एवं फीस प्वाइंट अब केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी के प्रस्तावित मार्च माह के बिश्रामपुर दौरे के चलते फिर से चर्चा में आ गया है। ज्ञात हो कि मंत्री के दौरे से पूर्व एसईसीएल प्रबंधन केनापारा पर्यटन केंद्र को आकर्षक स्वरूप देने में जुट गया है। गौरतलब है कि एसईसीएल पिछले करीब छह दशकों से सरगुजा संभाग में कोयला खनन कर रही है और समय-समय पर सीएसआर के तहत सामाजिक दायित्वों के निर्वहन का दावा करती रही है। ऐसे में मंत्री के समक्ष कोयला खनन के बाद बंजर पड़े क्षेत्र के बेहतर उपयोग का उदाहरण प्रस्तुत करने के उद्देश्य से केनापारा पर्यटन केंद्र को पुनर्जीवित करने की योजना बनाई जा रही है। बताया जा रहा है कि हैदराबाद की एक कंपनी से पर्यटन केंद्र के विकास हेतु प्रस्ताव मंगाया गया है। प्रस्ताव अंतर्गत वाटर एडवेंचर गतिविधियों, पोखरी के दूसरे छोर तक आवागमन के लिए ओवरब्रिज, पार्क तथा पिकनिक स्पॉट विकसित किए जाने की संभावना है। इन सभी कार्यों को मार्च से पहले पूरा करने का लक्ष्य

रखा गया है। ज्ञात हो कि करीब सात वर्ष पूर्व तत्कालीन कलेक्टर केसी देव सेनापति के प्रयासों से एसईसीएल ने माइंस क्लोजर मद से 1 करोड़ 91 लाख रुपए की लागत से इस परियोजना को स्वीकृति दी थी, जिसमें पर्यटन केंद्र के साथ पोखरी में मछली पालन का कार्य आरंभ किया गया था। बाद में पर्यटन केंद्र के विकास के लिए एसईसीएल द्वारा जिला प्रशासन को लगभग 5 करोड़ रुपए अतिरिक्त उपलब्ध कराए गए थे। बताया जा रहा है कि यहां पर करीब सवा चार करोड़ रुपए खर्च किए गए थे, लेकिन कार्यों की गुणवत्ता की समुचित निगरानी न होने के कारण यहां अब स्थिति दयनीय हो गई है। अब एक बार फिर उम्मीद जगी है कि केंद्रीय मंत्री के दौरे के बहाने ही सही, लेकिन केनापारा पर्यटन केंद्र को उसका खोया हुआ स्वरूप वापस मिल सकेगा।

अवैध धान परिवहन एवं किसानों के दस्तावेजों के दुरूपयोग के विरूद्ध श्याम सुन्दर गुप्ता पर एफआईआर दर्ज

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विगत दिवस विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के अंतर्गत ग्राम कुर्लडीह निवासी श्याम सुन्दर गुप्ता के द्वारा अवैध धान परिवहन करने एवं किसानों के ऋण पुस्तिका, बैंक खाता, चेकबुक एवं महत्वपूर्ण दस्तावेजों का दुरूपयोग करने पर एफआईआर दर्ज किया गया।

विगत रात्रि लगभग 08 बजे राजस्व तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अवैध धान परिवहन कर रहे पिकअप वाहन को दौड़ाकर पकड़ा गया। वाहन चालक से पूछताछ करने पर कुर्लूडीह निवासी सुन्दर गुप्ता पिता श्री कृष्णकान्त प्रसाद गुप्ता उम्र 35 वर्ष जाति रौनियार के घर में अवैध धान को अनलोड करना बताया गया। इस दौरान संयुक्त टीम द्वारा उनके घर पर दबिश देने पर दो नग कटा हुआ ब्लैंक(बिना भरे हुये) चेक, अन्य तीन का लेखा जोखा की पर्ची 01 नग, एक नग संगीता गुप्ता का बैंक का राशि जमा पर्ची, दीपनारायण का बैंक जमा पर्ची, राजमनिया, हुबलाल, बलि, लहरू, रूकमनिया का भरा हुआ विड्रॉल फार्म, जिला सहकारी बैंक से इंडियन बैंक सुपाचुवा (उ0प्र0) का आरटीजीएस फार्म, श्याम सन्दर गुप्ता का राशि जमा पर्ची, दोलंगी समिति का तौल पर्ची गणेश पण्डो ग्राम सुन्दरपुर का पाया गया। इस दौरान धान की

गिनती की गई, जिसमें लगभग 400 बोरी धान पाया गया है।

श्याम सुन्दर गुप्ता के घर में तलाशी करने पर चेक 62 नग, किसान किताब भाग- एक 46 नग, भाग- दो 59 नग, वन अधिकार पुस्तिका 02 नग, केसीसी पास बुक 19 नग, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक का पास बुक- 161 नग, बड़ा डायरी 13 नग, पॉकेट डायरी 08 नग, कटा हआ चेक 22 नग, डेली अटेंडेंस (बिना भरे हुये) जिला सहकारी बैंक का रजिस्टर 02 नग, विड्रॉल फार्म भरा हुआ 261 नग, सामान्य हिसाब-किताब एवं बिल पर्ची 550 नग, विड्रॉल फार्म कोरा (बिना भरे हुये) 01 बण्डल, बैंक का जमा पर्ची एवं टोकन पर्ची 150 नग. धान खरीदी केन्द्र का तौल पर्ची 100 नग, श्री बंधू सरूता के एसबीआई का बैंक पास बुक एवं आधार कार्ड की फोटो कॉपी तथा 02 नग फोटो, श्री रतू कुमार पण्डो ग्राम कुर्लूडीह का 02 नग फोटो प्राप्त हुआ।

तलाशी के दौरान नगद राशि 1 लाख 67 हजार 100 रूपये प्राप्त हुआ, जिसे श्याम सुन्दर गुप्ता के छोटे भाई शिवम कुमार के बिजनेस का राशि होना बताया गया है। तलाशी में पृथक से एक कत्था रंग का बैग पाया गया, जिसे श्याम सुन्दर गुप्ता ने अपना निजी दस्तावेज का बैग होना बताया, जिसकी तलाशी करने पर 05 नग पास बुक, 2 नग किसान किताब भाग- एक, 04 नग चेक बुक, 01 नग कटा हआ चेक बुक, कार वाहन का डाक्युमेंट, आधार कार्ड 09 नग, विभिन्न कृषकों का फोटो 30 नग, एटीएम 12 नग, पेन कार्ड 08 नग. वोटर आईडी 03 नग, ड्राईविंग लायसेंस 01 नग, गाडी का आरसी बुक 01 नग, 05 नग मोबाईल, पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 सीटी 4218, मोटर सायकल क्रमांक सीजी 15 डीवाय 4601 को अग्रिम कार्यवाही हेतु थाना सनावल में भेजा गया है।

जांच के दौरान श्री श्याम सुन्दर गुप्ता के पिता एवं अन्य तीन के नाम भूमि रजिस्ट्री वर्ष 1978, वर्ष 2005 से 2009 के बीच का अन्य दस्तावेज एवं 1,67,100/- रूपये, (एक लाख सड़सठ हजार एक सौ रूपये मात्र) तथा लगभग 400 बोरी धान को श्री कृष्णकांत प्रसाद गुप्ता पिता श्री रामचंद्र प्रसाद गुप्ता को सुपूर्द में दिया गया है।

प्रारंभिक जांच में यह प्रमाणित होता है कि श्री श्याम सुन्दर गुप्ता के द्वारा किसानों के ऋण पुस्तिका, बैंक खाता, चेक बुक आदि महत्वपूर्ण दस्तावेजों को अपने कब्जे में रखकर अन्य सीमावर्ती प्रांत से धान कम कीमत में लाकर छत्तीसगढ़ के धान खरीदी केन्द्रों में विक्रय करता है। उक्त राशि ट्रांजेक्शन बड़े पैमाने में स्वयं के एवं अपने परिवार के खाते में राशि अंतरण किया जाना प्रतीत होता है, क्योंकि बैंक के विड्रॉल पर्ची में पूर्व से किसानों का हस्ताक्षर कर अपने पास रखा जाना पाया गया है।

उक्त कार्य में अन्य लोगों की भी संलिप्तता पायी जा संकती है। श्री श्याम सुन्दर गुप्ता पिता कृष्णकांत प्रसाद गुप्ता के द्वारा किसानों के साथ छल-कपट कर अवैध धान का विक्रय कर शासकीय एवं किसानों की राशि का दुरूपयोग किया जाना प्रतीत होता है। जिस पर श्याम सुन्दर गुप्ता के द्वारा 3,7, आवश्यक वस्तु अधिनियम 318(4), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के विपरित कार्य किया गया है, जिसके लिए उक्त कृत्य पर एफआईआर दर्ज की गई है।

धान उठाव के बाद चावल जमा नहीं करने पर मित्तल राइस मिल पर हुई कार्रवाई

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खाद्य एवं राजस्व विभाग के संयुक्त टीम के द्वारा विकासखंड राजपुर अंतर्गत ग्राम कोटगगहना स्थित में. मित्तल राईस मिल की जांच की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री चेतन बोरघरिया, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजपुर श्री देवेंद्र प्रधान सहित टीम मौजूद रही। मौके पर जांच में मित्तल राईस मिल का मुख्म द्वार ताला बंद पाया गया। आस-पास में मिल से संबंधित किसी भी व्यक्ति को उपस्थित नहीं पाया गया। मिल के संचालक से दूरभाष से बात करने का प्रयास किया गया, किन्तु मिल संचालक द्वारा फोन रिसिव नहीं किया गया। खाद्य अधिकारी ने बताया कि मिल द्वारा खरीदी वर्ष 2024-25 में 3320 क्विंटल धान का उठाव किया गया है, जिसकी अनुपातिक चावल 2246.64 क्विंटल होता है, मिल द्वारा आज दिनांक तक जमा चावल की मात्रा निरंक है। इस प्रकार से राईस मिल द्वारा कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश 2016 के प्रावधानों का उल्लंघन करने के कारण मिल को सील करने की कार्यवाही की गयी।

मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर को 'बेस्ट वर्कशॉप अवॉर्ड' – दक्षता, नवाचार एवं उत्कृष्टता का उत्कृष्ट उदाहरण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर (एमआईबी वर्कशॉप) को वर्ष 2024-25 में असाधारण परिचालन प्रदर्शन एवं उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा 'बेस्ट वर्कशॉप अवॉर्ड' से सम्मानित किया जा रहा है। इस सम्मान के साथ मोतीबाग वर्कशॉप ने न केवल अपनी 146 वर्षों की गौरवशाली विरासत को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है, बल्कि सीमित संसाधनों के बीच उत्कृष्टता प्राप्त कर भारतीय रेल की अन्य कार्यशालाओं के लिए एक प्रेरक मानदंड स्थापित किया है।

एक विरासत जिसका प्रदर्शन आज भी अद्वितीय

साल 1879 में स्थापित, मात्र 18 एकड़ क्षेत्र में संचालित मोतीबाग वर्कशॉप, भारतीय रेलवे की सबसे पुरानी विरासत कार्यशालाओं में से एक है। सीमित ब्रॉड गेज कोच पीओएच (प्राइमरी ओवर हॉलिंग) सुविधाओं के बावजूद, वर्कशॉप ने वर्ष दर वर्ष अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है। वर्ष 2023 में 249 कोचों के मुकाबले 2024 में 336 कोचों का पीओएच (प्राइमरी ओवर हॉलिंग) आउटटर्न हासिल कर, वर्कशॉप ने न केवल रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य (249 कोच) को पूरा किया, बल्कि 34.9% की ऐतिहासिक बढ़त दर्ज की।

परिचालन उत्कृष्टताः लक्ष्य से आगे, मिसाल कायम

प्रमुख उपलब्धियाँ (2024-25):

बोगियों के आईओएच/एसएस1 शेड्यूल अनुपालन में 15% सुधार

लक्ष्य से 21.5% अधिक स्क्रैप निपटान

100 दिनों तक शून्य सिक मार्किंग, गुणवत्ता की निरंतरता का प्रमाण

शून्य लोकल पासिंग, उच्चतम गुणवत्ता मानकों के अनुरूप

100% तकनीकी पुनश्चर्या प्रशिक्षण द्वारा कर्मियों का कौशल संवर्धन

19.6% मानव संसाधन उत्पादकता में वृद्धि

शून्य मानव हानि, सुरक्षा मानकों में उल्लेखनीय प्रदर्शन

इनोवेशन में अग्रणीः भारतीय रेलवे में पहली पहल

मोतीबाग वर्कशॉप भारतीय रेलवे की पहली वर्कशॉप है जिसने इनोक्यूलम जेनरेशन प्लांट स्थापित किया। इस पहल के माध्यम से 2024 में कुल 4.55 लाख लीटर इनोक्यूलम भारतीय रेलवे को प्रदान किया गया, यह उपलब्धि पर्यावरणीय स्थिरता, संसाधन नवाचार एवं आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

गुणवत्ता और सतत विकास के प्रमाणपत्र – उत्कृष्टता की मुहर

मोतीबाग वर्कशॉप ने गुणवत्ता, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हुए निम्नलिखित प्रतिष्ठित प्रमाणन अर्जित किए हैंः

इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम (आईएमएस) प्रमाणन

5-एस (5-र) प्रमाणन

आईएसओ 3834 प्रमाणन

आईएसओ 50001 प्रमाणन

GreenCo प्रमाणन

सीमाओं के बीच संभावनाओं का विस्तार

इन सभी उपलब्धियों के पीछे वर्कशॉप की टीम का कर्मठ प्रयास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार की सोच, गुणवत्ता के प्रति समर्पण एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता है। न्यूनतम संसाधनों में अधिकतम आउटपुट प्राप्त कर, मोतीबाग वर्कशॉप ने यह सिद्ध किया है

कलिंगा यूनिवर्सिटी में विदेशी छात्र की मौत मामले में 3 गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। थाना मंदिर हसौद क्षेत्र अंतर्गत गैर इरादतन हत्या के एक प्रकरण में पुलिस ने कलिंगा यूनिवर्सिटी के तीन विदेशी नागरिक छात्रों को गिरफ्तार किया है। यह मामला 22 दिसंबर का है, जब नवा रायपुर सेक्टर-16 स्थित ईडब्ल्यूएस 30/06 बिल्डिंग से गिरने के कारण विदेशी छात्र सैमपुर जुदे की मौत हो गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक सैमपुर जुदे 22 दिसंबर की शाम करीब 7.10 बजे बिल्डिंग के पास अपने एक साथी से बातचीत कर रहा था। इसी दौरान कलिंगा यूनिवर्सिटी के छात्र नोउई कुर माजाक, सबरी पालीनो उर्फ टोनी और मोहम्मद खलफल्ला ओमर हसन वहां पहुंचे और मृतक पर अपनी महिला मित्र के साथ बदतमीजी करने का आरोप लगाते हुए विवाद करने लगे। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने मारपीट करने की कोशिश की। मारपीट के डर से घबराकर सैमपुर जुदे अपने किराए के मकान की सीढ़ियों से होते हुए छत की ओर भागा, जहां तीनों आरोपी भी उसके पीछे पहुंच गए। घबराहट और भय के चलते मृतक छत से नीचे कूद गया। नीचे कंक्रीट रोड होने के कारण उसे सिर, मुंह और दाहिने हाथ में गंभीर चोटें आईं। साथियों द्वारा उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद थाना मंदिर हसौद में मर्ग कायम कर जांच की जा रही थी। जांच के दौरान पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपियों को चिन्हित कर हिरासत में लिया।

कामधेनु विश्वविद्यालय के मिलन समारोह में 400 पूर्व छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग में कुलपति डॉ.आर.आर.बी. सिंह के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं का मिलन समारोह एलुमनाई मीट-2025 संपन्न हुआ। इस मौके पर 'स्ट्रेदनिंग द प्रोफेसनल्स अलाईन्स अमंग एलुमनाई विषय पर राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों जैसे जम्मूकश्मीर पंजाब, उत्तराखण्ड, बिहार, झारखंण्ड, गुजरात, महाराष्ट्र मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, केरल तथा छत्तीसगढ़ से कुल 400 पूर्व छात्रों ने भाग लिया। इसके साथ ही कतर, कनाड़ा व अमेरिका से 05 छात्र उपस्थित रहे। पूर्व छात्र छात्राओं से इस दौरान अपने अपने अनुभवों को साझा किया। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अतिथिगणों में अहिरवारा विधायक श्री डोमनलाल कोर्सवाडा, श्री ललित चंद्राकर जी विधायक दुर्ग ग्रामीण श्री रिकेश सेन जी विधायक वैशालीनगर भिलाई के साथ-साथ अधिष्ठाता डॉ. संजय शाक्य डॉ मनोज गेंदले, डॉ. सुधीर उपरीत विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ बीपी राठिया उपस्थित थे। वहीं विशेष अतिथिगणों में मीनल सिंह, श्रीमती पायल अहवाल ही कंके, चूय व ब्रिगेडियर डॉ अमित रस्तोगी उपस्थित थे। विधायक श्री कोसेर्वाडा ने कहा कि गर्व की बात है

वैश्विक घटनाक्रम और संभावना

शेख हसीना 5/12/2024 को भारत में शरण ली तब से भारतीय

उपमहाद्वीप में उथल पुथल और जातीय संघर्ष व तनाव भारत के परे दोनों ओर हिंदू अल्पसंख्यकों की क्रूरतम हत्याएं और उन पर अत्याचार हो रहे है। विशेषतः बांग्लादेश में। जबकि आज तहरीके पाकिस्तान तालिबान नें पाकिस्तान पर आक्रमण कर एक सैनिक पोस्ट पर कब्जा कर लिया। लश्कर का सेकेंड़ चीफ इलाही जहीर कुछ दिन पूर्व बंग्लादेश में था, और भारत के विरूद्ध घृणा पैदा कर रहा था। ढाका, ढाकेश्वरी माता के नाम पर है, इसलिए कट्टरवादी इंकलाब मंच के प्रवक्ता और कट्टरवादी नेता उस्मान हादी की हत्या का पदार्फास हो चुका है। अब मो०यूनुस को फांसी या बंग्लादेश छोड़ने की चेतावनी मिलने लगी है। जो शेख हसीना के साथ हुआ वह यूनुस के साथ होने वाला है? अब मानवता के साथ इससे बड़ा मजाक और क्या हो सकता है की वर्ष 2006 का नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मो०युनूस आज बंग्लादेश मे कट्टरवाद का प्रतिनिधी है?

राजनीति में अपनी छाया पर भी विश्वास नहीं करना चाहिए। मुंह से मीठा और पेट से कपटी यूनुस की सत्ता लालसा की अतडियां उस्मा हादी की हत्या का राज खुलते ही उसकी ही चाकू से कट गई। इधर मुनीर यूनुस की मदद कर रहे है। बंग्लादेश में हिंदू अत्याचार और भारत विरोध चरम पर है। लेकिन टीटीपी ने पाक पर हमला कर दिया, और बलोचिस्तान फिर सुलग उठा है। इसे भेद नीति द्वारा दुश्मन पर प्रहार करना कहा जाता है। क्योंकि राष्ट्रधर्म सर्वोपरि है। मध्यपूर्व एशिया और पश्चिम में खामेनी ने परमाणु बम निर्माण को हरी झंडी दिखा दिया है। चीन ने सुपर हाइपरसोनिक मिसाई गति 12300 किमी प्रति घंटा है, का सफल परीक्षण किया। मास्कों में यूक्रेन के ड्रोन हमलें असफल कर दिया गया। कुछ दिन पूर्व शांति स्थापना के लिए अमेरिका ने गाजापट्टी खरीदने की पेशकश की थी। । रूस ने चंद्रमा में परमाणु उर्जा संयंत्र स्थापित करने की घोषणा कर दी है। यह सब देखकर लगता है कि। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य, हथियारों के प्रदर्शन, यत्रों स्थापन, साम्राज्यवाद व्यापारिक प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत हित सर्वोच्चता की साधना है। कुल मिलाकर एकाधिकार की प्रतिस्पर्धा से विश्व जूझ रहा है। वस्तुतः साम्राज्यवाद की शांतिपूर्ण तरीके से इतनी शाखाएं और प्रशाखाएं निकल आई है कि, आगामी विश्व युद्ध दूर तक भी संभव नहीं दिखाई देता। सिर्फचैनल मीड़िया की कल्पनों के अतिरिक्त। विश्व के नेताओं के पास वैश्विक दृष्टि नहीं है। यदि होता तो सुव्यवस्था की स्थापना के लिए युद्ध करता। क्योंकि कभी कभी शांति स्थापना के लिए युद्ध आवश्यक होता है। जैसे कुरूक्षेत्र मे अर्जुन ने किया। इसलिए भी तृतीय विश्व युद्ध वर्तमान परिदृश्य से बहुत दूर है। बंग्लादेश नेशनल पार्टी के कट्टरपंथी नेता तारिक रहमान जो खालिदा जिया के पुत्र भी है। ढाका पहुच गया है भव्य स्वागत हुआ उसका। अब वह बंग्लादेश में शासन पर काबिज होना चाहेगा। बंग्लादेश कट्टरवाद व हिंसा के नये वह दौर से गुजरने वाला है। इसलिए भारत की सजगता और अधिक बढ़ जाती है। क्योंकि, शेखहसीना के निर्वासन से पूर्व बांग्लादेश के पत्रकार शोएब चौधरी ने आरोप लगाया था कि। रक्षा सौदे में घोटाला करने बीएनपी के निर्वासित नेता, तारिक रहमान नें इंग्लैड़ मे सी०आई०ए०, आईएसआई के और राहुल गांधी के साथ बैठक कर शेखहसीना के तख्तापलट की साशिज रची है। शोएब चौधरी का अनुमान 05/08/24 को सत्य साबित कर दिया। इसलिए बांग्लादेश के भीतर हिंदू अल्पसंख्यों पर अत्याचार देश के भीतर और बाहर दोनों तरह से भारत को प्रभावित करेगा। अतएव भारत के गुप्तचर तंत्र और सुरक्षा संस्थाओं की सजगता और अधिक वांछनीय हो जाती है।

निज विचार
मनोज कुमार सिंह
प्रशासनिक संपर्क प्रमुख
धर्मजागरण समन्वय -सरगुजा

विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। विकासखण्ड रामानुजनगर अंतर्गत मंडल परशुरामपुर के ग्राम सुरता में एक विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज की विभिन्न जातियों एवं वर्गों के हिंदुओं को एक मंच पर लाकर सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करना रहा। सम्मेलन में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों एवं स्वयंसेवकों ने सहभागिता करते हुए अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान लोकगीतों, भजनों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और राष्ट्रबोध को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं प्रेरणादायक बन गया। तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों का द्वारा भारत माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों का अभिनंदन किया गया। मंचासीन कांता सिंह ने अपने उद्बोधन में नारी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार महाभारत के वीर अभिमन्यु ने गर्भ में रहते हुए भी ज्ञान अर्जित किया था, उसी प्रकार नारी भी संस्कार और ज्ञान का बीज संतान में रोपित करती है। जब नारी सशक्त होती है, तभी परिवार, समाज और राष्ट्र सशक्त बनता है। उन्होंने सभी को भारत निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। वहीं दिनेश शुक्ला ने भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि आज के बच्चों में संस्कारों का रोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि श्रीराम के आदर्श–प्रातःकाल माता-पिता का सम्मान, बड़ों का आदर और छोटों के प्रति स्नेह– आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। सम्मेलन को संबोधित करते हुए तिलक चक्रधारी ने कहा कि भारत की भूमि श्रीराम की भूमि है, इसलिए इसे भारत माता कहा जाता है। देवी-देवताओं की जैसी महिमा और जागरण भारत में है, वैसी किसी अन्य देश में नहीं है। उन्होंने जाति और भेदभाव से ऊपर उठकर एकता के साथ रहने का संदेश देते हुए उदाहरण दिया कि दुकान में गुच्छे में लगे अंगूर महंगे बिकते हैं, जबकि बिखरे हुए अंगूर सस्ते होते हैं। इसी प्रकार संगठित समाज का मूल्य अधिक होता है। मुख्य वक्ता धर्म जागरण के प्रांत टोली के सदस्य ठाकुर राजवाड़े जी ने कहा कि आज हिंदू सम्मेलन की आवश्यकता क्यों पड़ी, यह समझना जरूरी है। उन्होंने बताया कि यह वर्ष ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, क्योंकि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और यह स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने वीर बालक फतेह सिंह और जोरावर सिंह के बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि मात्र 7- 9 वर्ष की आयु में उन्होंने धर्म परिवर्तन स्वीकार करने के बजाय अपने धर्म की रक्षा के लिए बलिदान दिया, जिससे हमें संस्कार और आस्था की रक्षा की प्रेरणा मिलती है। ठाकुर राजवाड़े ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार चाहते तो अपना जीवन व्यक्तिगत सुख में व्यतीत कर सकते थे, लेकिन उन्होंने हिंदू समाज को संगठित करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया और वर्ष 1925 में संघ की स्थापना की। उन्होंने कहा कि जब-जब हिंदू समाज संगठित हुआ है, तब-तब देश सशक्त और स्वतंत्र हुआ है। ‖जब तक हिंदू समाज एकजुट रहेगा, तब तक भारत कभी गुलाम नहीं हो सकता ‖ साथ ही यह भी कहा गया कि संतों और महापुरुषों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत पुनः विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है, जिसके लिए समाज को संगठित, संस्कारवान और राष्ट्रनिष्ठ बनना होगा।

तेलीबांधा शूटआउट मामले में गैंगस्टर मयंक सिंह 9 जनवरी तक जेल भेजा गया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। तेलीबांधा शूटआउट मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। शूटआउट की सुपारी देने वाले कुख्यात गैंगस्टर मयंक सिंह को कोर्ट ने 9 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। चार दिन की पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद मंगलवार को रायपुर पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, हालांकि पुलिस ने रिमांड बढ़ाने की मांग नहीं की। पुलिस का दावा है कि चार दिन की पूछताछ के दौरान मयंक सिंह ने तेलीबांधा फायरिंग को लेकर कई अहम खुलासे किए हैं। पुलिस अब इन बयानों की तस्दीक और नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। मयंक सिंह कोई साधारण अपराधी नहीं, बल्कि झारखंड के कुख्यात अमन साव गैंग का बेहद भरोसेमंद और खतरनाक गुर्गा माना जाता है। उसका नाम तब और चर्चा में आया जब उसके तार लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ जैसे अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टरों से जुड़ने लगे। मयंक मुख्य रूप से कोयला अंचल और बड़े कंस्ट्रक्शन कारोबारियों से वसूली का नेटवर्क संभालता रहा है। पुलिस के अनुसार मयंक सिंह जेल के भीतर रहते हुए भी व्हाट्सएप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए कारोबारियों को धमकाकर लेवी वसूलता था। रायपुर में हुई तेलीबांधा फायरिंग भी इसी वसूली नेटवर्क से जुड़ी हुई बताई जा रही है। मयंक की बेखौफ मानसिकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 16 जून 2024 को जब उसके कुछ साथी गिरफ्तार हुए थे, तब उसने छत्तीसगढ़ की मीडिया को धमकी भरा ई-मेल तक भेज दिया था।

तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी जोरदार टक्कर, बाइक सवार युवक की मौत

संवाददाता

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर शाम तेज रफ्तार कार ने एक बाइक में ठोकर मार दी। जिससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन उसे ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया। लेकिन वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक बिजनौर के परवर पश्चिम में रहने वाले अमर सिंह का बेटा अविवाहित अनुराग सिंह (23) टेंट हाउस का कारोबार करता था। गुरुवार शाम करीब 5:30 बजे वह बाइक से अपने घर से कुछ दूर स्थित एक प्राइवेट फैक्ट्री में काम कर रहे अपने दोस्त को समोसा देने जा रहा था। तभी घर से कुछ दूर रोड पर तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने उसकी बाइक में जोरदार ठोकर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं घटना के बाद कार चालक मौके पर गाड़ी छोड़कर भाग निकला। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। बाद में उसे ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया। जहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने कार को अपने कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के पिता अमर सिंह की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है। मृतक के परिवार में उसके पिता अमर सिंह के अलावा मां पूजा सिंह और एक बड़ा व एक छोटा भाई तथा एक बहन है।

जालसाजों ने सीआरपीएफ का अफसर बताकर महिला से ठगे 70 हजार रुपये

संवाददाता

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में करीब एक माह पहले जालसाजों ने खुद को सीआरपीएफ का अफसर बताकर एक महिला को भरोसे में लिया और घरेलू सामान बेचने के नाम पर 70 हजार रुपये की ठगी कर ली। खुद के साथ ठगी होने की जानकारी होने के बाद पीड़िता ने सरोजनी नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनी नगर के हिंद नगर निवासी पीड़िता सुधा श्रीवास्तव के मुताबिक 25 नवंबर 2025 को दोपहर करीब दो बजे एक व्यक्ति ने खुद को बिजनौर स्थित सीआरपीएफ कैंप में तैनात अफसर संतोष कुमार बताते हुए फोन किया। उसने कहा कि उसका ट्रांसफर जम्मू हो गया है, इसलिए वह अपना घरेलू सामान टीवी, फ्रिज, साइकिल, एसी, इन्वर्टर, वाशिंग मशीन, पलंग, अलमारी और डाइनिंग टेबल आदि तुरंत बेचना चाहता है। आरोप है कि भरोसा दिलाने के लिए आरोपी ने व्हाट्सएप पर सामान की फोटों भी भेजीं और 70 हजार रुपये तुरंत ट्रांसफर करने को कहा। आरोपी ने बताया कि उसके साथी घनश्याम पांडेय के खाते में रुपये जमा कराने होंगे। उसने एचडीएफसी बैंक खाते का विवरण अंकित क्यूआर कोड भी भेजा। साथ ही यह भी कहा कि सीआरपीएफ बिजनौर कैंप के सरकारी ट्रक से सामान लादकर घनश्याम पांडेय तुरंत पीड़िता के घर डिलीवरी कर देगा। इन बातों पर विश्वास कर पीड़िता ने अपने पति महेश कुमार श्रीवास्तव के एचडीएफसी बैंक खाते से चेक के माध्यम से शाम करीब 4:30 बजे 70 हजार रुपये घनश्याम पांडेय के खाते में जमा करा दिए। कुछ देर बाद घनश्याम पांडेय नामक व्यक्ति ने फोन कर बताया कि सरकारी ट्रक कैंप के गेट पर खड़ा है और गेट पास बनवाने के लिए 30,180 रुपये और जमा कराने होंगे, जो बाद में वापस कर दिए जाएंगे। जब पीड़िता ने अतिरिक्त रकम देने से इंकार कर दिया तो आरोपी ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। तब पीड़िता को खुद के साथ ठगी होने का अहसास हुआ। इसके बाद पीड़िता ने बैंक के टोल फ्री नंबर और साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत की। साथ ही साइबर सेल की सलाह पर सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

ओपन टेनिस टूर्नामेंट में सौरभ बंगाली ने उड़ाए स्टंप

संवाददाता

निगोहां। निगोहां कस्बे में स्थित मैदान पर चल रही क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे दिन दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। टूर्नामेंट के दूसरे दिन गेंदबाज सौरभ बंगाली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विकेटों का चौका लगाया और अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया दूसरा मुकाबला बाबा बारूदी और मोनू खान सुदौली की टीमों के बीच खेला गया टॉस जीतकर बाबा बारूदी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजों ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया और निर्धारित ओवरों में मात्र 7 विकेट खोकर 196 रनों का विशाल लक्ष्य खड़ा कर दिया।

बाबा बारूदी की टीम की ओर से मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने उपयोगी पारियां खेलते हुए स्कोर को मजबूत आधार दिया लक्ष्य का पीछा करने उतरी मोनू खान सुदौली की टीम शुरूआत से ही दबाव में नजर आई बाबा बारूदी की टीम के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए लगातार विकेट झटके खासकर सौरभ बंगाली की धारदार गेंदबाजी के सामने सुदौली की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई पूरी टीम महज 9 ओवर में 37 रन पर सिमट गई। गेंदबाजी में सौरभ बंगाली ने चार अहम विकेट चटकाकर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया और ‖मैन ऑफ द मैच‖ प्रदर्शन किया उनके अलावा अन्य गेंदबाजों ने भी सटीक लाइन-लेंथ से बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। मैच के दौरान मैदान पर बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजकों ने बताया कि आने वाले मुकाबलों में भी कड़ा संघर्ष देखने को मिलेगा और प्रतियोगिता का रोमांच दिन-ब-दिन बढ़ता जाएगा।

सम्पादकीय

रहमान की बांग्लादेश वापसी भारत के लिए मिश्रित संकेत

बांग्लादेश की सबसे मजबूत राजनीतिक पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान आखिरकार 17 साल के वनवास के बाद स्वदेश लौट आए हैं। उनका लौटना सीधे राजनीति में उनकी वापसी के तौर पर देखा जा रहा है। रहमान 12 फरवरी को बांग्लादेश में होने वाले आम चुनावों में भाग लेंगे। उन्हें बीएनपी में पीएम पद का दावेदार भी माना जा रहा है। बता दें कि रहमान की बांग्लादेश वापसी भारत के लिए एक मिश्रित संकेत माना जा रहा है। एक ओर, उनकी वापसी से बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती मिल सकती है, जो भारत के हित में होगी, क्योंकि उन्होंने वतन लौटते ही कहा कि उनकी विदेश नीति बांग्लादेश के हितों को प्राथमिकता देगी, जो भारत के साथ संबंधों में एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। हालांकि संकेत यह भी मिल रहे हैं कि रहमान की वापसी से कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के प्रभाव में वृद्धि हो सकती है, जो भारत के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। जमात-ए-इस्लामी के साथ रहमान के गठबंधन से भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव और बढ़ सकता है। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है, जो भारत के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। हालांकि क्या होगा, यह सब तो फिलहाल भविष्य के गर्भ में है, लेकिन भारत को हर हाल में चौकन्ना रहना होगा और पड़ोसी देश में हो रही हलचलों पर कड़ी नजर रखनी होगी। बता दें कि 2008 में जब रहमान पर भ्रष्टाचार और अन्य आरोप लगे, तो वह लंदन चले गए थे। शेख हसीना सरकार गिरने के बाद अदालतों ने उन्हें बरी कर दिया, जिससे उनकी वापसी का रास्ता साफ हुआ है। इसे भारत के नजरिये से देखें तो बांग्लादेश की सत्ता से शेख हसीना के हटने के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के कार्यकाल में भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ा है। यूनुस सरकार ने पाकिस्तान से नजदीकियां बढ़ाई हैं, जबकि भारत से दूरी बनाई है। अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हमले बढ़े हैं और कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हुई हैं। रहमान ने पहले भारत-विरोधी बयान दिए हैं, लेकिन हाल के संकेत सकारात्मक हैं। उन्होंने कहा है, न दिल्ली, न इस्लामाबाद, बांग्लादेश पहले। भारत ने बीएनपी नेतृत्व से बातचीत की है और रहमान की मां खालिदा जिया की बीमारी पर सहानुभूति जताई है। भारत ने उनके इलाज की भी पेशकश की थी। कयास लगाए जा रहे हैं कि बीएनपी सत्ता में आई तो भारत के साथ संतुलित संबंध रखेगी, क्योंकि उनके भाषण में पाकिस्तान से भी दूरी बनाए रखने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं, भारत भी चाहता है कि बांग्लादेश में स्थिर और लोकतांत्रिक सरकार आए, जो क्षेत्रीय सुरक्षा और व्यापार के लिए फायदेमंद हो। बीएनपी की जीत से विदेश नीति में बदलाव आ सकता है, जो भारत के हित में होगा। भारत शांतिपूर्ण चुनाव और स्थिर पड़ोसी की उम्मीद कर रहा है। आगे के दिन बांग्लादेश की दिशा तय करेंगे। इस समय परिस्थिति ऐसी है कि भले बीएनपी के भारत के साथ तनावपूर्ण संबंध रहे हों, लेकिन मौजूदा वक्त में बीएनपी को ही भारत अधिक उदार और लोकतांत्रिक विकल्प के रूप में देख रहा है। अवामी लीग का पत्ता पहले ही काटा जा चुका है और ऐसे में भारत को उम्मीद होगी कि रहमान की वापसी से बीएनपी कार्यकर्ताओं में जोश आएगा और पार्टी अगली सरकार बनाएगी। यहां भारत के लिए स्थिति ऐसी है कि उसे दो बुरे में से एक कम बुरा चुनना होगा।

एफटीए
प्रमोद भार्गव

न्यूजीलैंड से निर्यात पर भारत की दृढ़ता

> विश्व कारोबार पटल पर भारत की महत्ता की स्वीकार्यता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में किसान हितों का पूरा ख्याल रखते हुए इस समझौते को अंतिम रूप दिया है। दरअसल भारत में किसान और दुग्ध उत्पादक ग्वालों की प्रकृति पर निर्भरता होने के कारण आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है। अतएव अमेरिका हो या न्यूजीलैंड यदि उनके सस्ते उत्पादों को भारत में बेचने की अनुमति मिल जाती है तो इन लोगों को रोटियों के लाले पड़ सकते हैं ? भारत इन उत्पादों की बजाय न्यूजीलैंड से सेब, कीवी, शहद और वाइन आयात करेगा। इनके आयात में टैरिफ में भी बड़ी राहत दी गई है।

विश्व कारोबार पटल पर भारत की महत्ता की स्वीकार्यता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में किसान हितों का पूरा ख्याल रखते हुए इस समझौते को अंतिम रूप दिया है। याद रहे अमेरिकी कृषि उत्पाद निर्यात पर भारत ने दो टूक मना कर दी थी। इस कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाराजगी का भारत ने बढ़ाए गए टैरिफ के रूप में सामना किया। इसकी भरपाई के लिए धैर्य से काम लेते हुए ब्रिटेन, ओमान और अब न्यूजीलैंड से अपनी शर्तों पर एफटीए करके किसान हितों को साधते हुए उल्लेखनीय समझौते कर लिए। इसी माह दिसंबर 2025 में भारत ने ओमान के साथ कॉम्प्रेहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीपा) किया था और अब भारत की न्यूजीलैंड से चली 9 माह की वार्ता में न्यूजीलैंड से इस बात पर सहमति हो गई कि इस समझौते में कृषि और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा जाएगा। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत से 5000 अभियंता न्यूजीलैंड काम करने के लिए जाते हैं। बावजूद यह समझौता शून्य टैरिफ पर होना भारत के दोनों हाथों में लड्डू होने जैसा है।

इस समझौते से अमेरिका को इसलिए भी झटका लगा है, क्योंकि पांच साल पहले एशिया-प्रशांत व्यापार क्षेत्र के रूप में उभर रहे 15 देशों के व्यापार पटल आरईसीपी (रिजनल कॉम्प्रेहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप) का सदस्य बनने से भारत ने इनकार कर दिया था। इसका मुख्य कारण था कि न्यूजीलैंड के सस्ते दूध और कृषि उत्पादों का भारत में निर्यात रोकना। अब भारत ने न्यूजीलैंड से स्वतंत्र रूप में समझौता करके किसान हितों को साध लिया है। दरअसल भारत में किसान और दुग्ध उत्पादक ग्वालों की प्रकृति पर निर्भरता होने के कारण आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है। अतएव अमेरिका हो या न्यूजीलैंड यदि उनके सस्ते उत्पादों को भारत में बेचने की अनुमति मिल जाती है तो इन लोगों को रोटियों के लाले पड़ सकते हैं ? भारत इन उत्पादों की बजाय न्यूजीलैंड से सेब, कीवी, शहद और वाइन आयात करेगा। इनके आयात में टैरिफ में भी बड़ी राहत दी गई है। साथ ही न्यूजीलैंड सेब, कीवी और डेयरी क्षेत्र में भारतीय उत्पादकता को बढ़ाने में अपनी तकनीकि मदद भी देगा। अतएव यह समझौता पूर्ण रूप से भारतीय हितों को साधने वाला है। वे भारतीय ऋषि ही थे, जिन्होंने सबसे पहले जाना था कि गाय के दूध में ऐसे पोषक तत्व हैं, जो शरीर और दिमाग दोनों को ही स्वस्थ रखते हैं। यह दूध ही है, जिससे दही, मठा, मक्खन और घी जैसे सह-उत्पाद निकलते हैं। ये उत्पाद मिठाई की दुकानों से लेकर डेयरी उद्योग के जरिए करोड़ों लोगों के रोजगार का मजबूत माध्यम बने हुए हैं। लंबे समय तक गाय से पैदा बैल पर ही भारतीय कृषि निर्भर रही है। इसी कृषि की जीडीपी में 24 प्रतिशत की भागीदारी है। भारतीय दुग्ध उत्पादन से लेकर दूध पीने में दुनिया में पहले स्थान पर हैं। इसी दूध पर कब्जे के लिए अमेरिका अपने यहां उत्पादित मांसाहारी दूध बेचना चाहता है। अन्य यूरोपीय देशों की निगाह भी इस दूध के व्यापार पर टिकी रही है, जिनमें से एक न्यूजीलैंड भी रहा है। अमेरिका और भारत के बीच 500 बिलियन डॉलर के व्यापार समझौते की बात चली थी। इस समझौते की सूची में अमेरिकन मांसाहारी दूध के उत्पाद शामिल थे। भारत

सरकार ने इस बाबत दो टूक कह दिया था कि अमेरिकी दुग्ध उत्पादों को भारतीय बाजार का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। यह हमारे दुग्ध उत्पादक किसानों की आजीविका और उनकी संस्कृति की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा प्रश्न है, जो स्वीकार योग्य नहीं है। इस मनाही के बाद अमेरिका ने भारत पर अनर्गल टैरिफ संबंधी शर्तें थोपना शुरू कर दी थीं। भारत में 13 जनवरी 1970 को फ्लड ऑपरेशन के साथ दूध का उत्पादन शुरू हुआ था। इसे ही श्वेत क्रांति का नाम दिया गया। यह केवल भारत में ही नहीं विश्व में सबसे बड़े ग्रामीण कार्यक्रमों में से एक है। इसी की बदौलत भारतीय डेयरी उद्योग का चेहरा बदला और लाखों दुग्ध उत्पादक किसानों की आर्थिकी में क्रांतिकारी बदलाव आया। दरअसल, फिरंगी हुकूमत के दौरान पोल्सन नाम की ब्रिटिश कंपनी का इस क्षेत्र का दूध खरीदने पर एकाधिकार था। कंपनी दुग्ध उत्पादकों का लगातार शोषण कर रही थी। इस शोषण की शिकायत किसानों ने सरदार पटेल से की। पटेल गोधन, गोरस और गोदान की हिंदू जीवन शैली के अनुयायी थे। पटेल शोषण की जानकारी से बेचैन हुए और लौहपुरुष के अवतार में आ गए, उन्होंने तत्काल कंपनी को दूध बेचने से मना कर दिया। उनका मानना था कि जब कंपनी को दूध मिलेगा ही नहीं, तो उसे किसानों की शर्तें मानने को मजबूर होना पड़ेगा। साथ ही पटेल ने सभी किसानों को मिलकर सहकारी संस्था बनाकर स्वयं दूध और दूध के उत्पाद बेचने की सलाह दी। पटेल के इस सुझाव से किसान सहमत हो गए और अंग्रेजों को दूध न देने की चुनौती दे दी। बाद में 1946 में पटेल ने अपने भरोसे के साथ ही मोरारजी देसाई और त्रिभुवन दास पटेल की सहायता से भारत की पहली दुग्ध सहकारी संस्था की स्थापना की, इसे ही बाद में जिला सहकारी दुग्ध उत्पादन संघ के नाम से जाना गया। 250 लीटर दूध का प्रतिदिन कारोबार करने वाली इसी संस्था को आज विश्वव्यापी संस्था 'अमूल' के नाम से जाना जाता है।

दूध का 30 फीसदी कारोबार संगठित ढांचा, मसलन डेयरियों के माध्यम से होता है। देश में दूध उत्पादन में 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। देश में कुल कृषि खाद्य उत्पादों व दूध से जुड़ी प्रसंस्करण सुविधाएं महज दो फीसदी हैं, किंतु वह दूध ही है, जिसका सबसे ज्यादा प्रसंस्करण करके दही, मठा, घी, मक्खन, मावा, पनीर आदि बनाए जाते हैं। इस कारोबार की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इससे आठ करोड़ से भी ज्यादा लोगों की आजीविका जुड़ी है। करीब 1.5 करोड़ परिवार ही सहकारी दुग्ध उत्पादकता से जुड़े हैं, जबकि 6.5 करोड़ ग्रामीण परिवार आज भी सहकारिता के दायरे से वंचित हैं। दूध उत्पादन में ग्रामीण महिलाओं की अहम भूमिका रहती है। रोजाना दो लाख से भी अधिक गांवों से दूध एकत्रित करके डेयरियों में पहुंचाया जाता है। बड़े पैमाने पर ग्रामीण सीधे शहरी एवं कस्बाई ग्राहकों तक भी दूध बेचने का काम करते हैं। इसी दूध के बाजार पर अमेरिका समेत अनेक दुग्ध उत्पादक पश्चिमी देशों की निगाहें टिकी रहती हैं। हालांकि अब दुग्ध उत्पादकों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाए रखने के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कुछ माह पहले ही दस हजार नई कृषि सहकारी समितियों को हरी झंडी दिखाई है। अगले पांच साल में इनकी संख्या दो लाख तक पहुंचाने की है। इन्हीं सहकारी संस्थाओं के जरिए कृषि और दुग्ध उत्पादों को भारत से लेकर एशिया और यूरोप तक बाजार में पहुंचाने की तैयारी है। ऐसे में यदि अमेरिकी या अन्य देशों के लिए दुग्ध उत्पाद बेचने के लिए भारतीय बाजार खोल दिए जाते तो इन समितियों की मुश्किलें तो बढ़ती हीं, दुग्ध उत्पादक आठ करोड़ लोगों की आजीविका पर भी संकट के बादल गहरा जाते।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दिव्य कला मेला
विवेक शुक्ला

दिव्यांगजनों की प्रतिभा व रचनात्मकता का उत्सव

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की इंडिया गेट पर जहां आदमकद मूर्ति स्थापित है, उसके आसपास बीते दिनों रोज हजारों लोग पहुंच रहे थे। ये सब नेताजी की मूर्ति को नमन करने के बाद दिव्यांगजनों की प्रतिभा, रचनात्मकता और उद्यमिता को देखकर मंत्रमुग्ध हो रहे थे। मौका था दिव्य कला मेला 2025 का। अब इस तरह के मेले देश के सभी राज्यों में आयोजित हो रहे हैं। इस मेले में आए दिव्यांग कलाकारों और उद्यमियों के स्टॉल लगे, जहां वे हस्तशिल्प, चित्रकला, ज्वेलरी, खाद्य उत्पाद और अन्य हस्तनिर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन कर रहे थे। यह मेला दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे मेलों का आयोजन न केवल दिव्यांगजनों को आर्थिक अवसर प्रदान करता है, बल्कि समाज में समावेशिता की भावना को मजबूत करता है। इसके साथ ही, अपने पास ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति को देखकर इनमें जोश आता, अवरोधों को पार करने का। दिव्य कला मेला जैसे आयोजनों के लाभ बहुआयामी हैं। सबसे पहले, ये आर्थिक सशक्तिकरण के सशक्त माध्यम हैं। भारत में करोड़ों दिव्यांगजन हैं, जिनमें से कई ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं और रोजगार के अवसरों से वंचित रहते हैं। ऐसे मेलों में स्टॉल लगाने का अवसर मिलने से वे अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा सकते हैं।

उदाहरण के लिए, इस वर्ष के मेले में 28वें संस्करण में सैकड़ों दिव्यांग उद्यमी भाग लेने आए, जो अपने हस्तशिल्प को बेचकर आय अर्जित कर रहे हैं। यह न केवल उनकी आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ाता है, बल्कि उन्हें बाजार की समझ भी देता है। सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता, जैसे यात्रा भत्ता और स्टॉल की सुविधा, इन व्यक्तियों को बिना किसी अतिरिक्त बोझ के भाग लेने की अनुमति देती है। इन्हें रहने के लिए प्रतिदिन 2200 रुपये मिले। परिणामस्वरूप, कई दिव्यांगजन छोटे व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बनते हैं, जो गरीबी उन्मूलन में योगदान देता है। दूसरा प्रमुख लाभ सामाजिक समावेशिता का है। समाज में दिव्यांगजनों के प्रति अक्सर पूर्वाग्रह और दया की भावना रहती है, लेकिन ऐसे मेलों से यह धारणा बदलती है। मेले में एक 'एक्सेसिबिलिटी सिमुलेशन जोन' जैसी सुविधाएं हैं, जहां सामान्य लोग दिव्यांगता की चुनौतियों का अनुभव कर सकते हैं। इससे सहानुभूति और समझ बढ़ती है, जो एक समावेशी समाज की नींव रखती है। दिल्ली जैसे महानगर में इंडिया गेट पर आयोजित होने से यह मेला बहुत बड़ी संख्या में पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को आकर्षित करता रहा, जो दिव्यांग कलाकारों की प्रतिभा को देखकर प्रेरित हुए। इससे दिव्यांगजन मुख्यधारा में शामिल महसूस करते हैं और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। ऐसे आयोजन विकलांगता के प्रति जागरूकता फैलाते हैं, जो शिक्षा और रोजगार नीतियों में सुधार लाते हैं। उदाहरणस्वरूप, देश में पिछले दशक में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण और योजनाएं बढ़ी हैं, और मेलों जैसे प्लेटफॉर्म इन योजनाओं का प्रचार करते हैं। दिव्य कला मेला में प्रदर्शित उत्पाद भारतीय संस्कृति की विविधता को भी दर्शाते हैं, राजस्थानी हस्तकला से लेकर पूर्वोत्तर के बांस उत्पाद तक। यह न केवल सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है, बल्कि दिव्यांग कलाकारों को अपनी कला को वैश्विक स्तर पर ले जाने का मौका देता है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य और संगीत प्रदर्शन होते रहे, जो दिव्यांगजनों की बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करते हैं। इससे युवा पीढ़ी प्रेरित होती है और दिव्यांग बच्चे अपने सपनों को साकार करने के लिए उत्साहित होते हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी ये मेला लाभदायक है, क्योंकि कई उत्पाद पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों से बने होते हैं, जो सतत विकास को बढ़ावा देते हैं। कुल मिलाकर, ऐसे मेलों से समाज का सामूहिक विकास होता है, जहां हर व्यक्ति की क्षमता का सम्मान किया जाता है।

यह मेला सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे मेलों का आयोजन दिव्यांगजनों को आर्थिक अवसर प्रदान करता है। इन कलाकारों की सफलता ने यह साबित कर दिया कि दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं, बशर्ते उन्हें सही दिशा और अवसर मिले। दिव्य कला मेला जैसे प्लेटफॉर्म इन सफलताओं को और बढ़ावा दे सकते हैं। इंडिया गेट में देशभर से आए दिव्यांगजनों को प्रेरणा मिलती रही नेताजी सुभाष चंद्र बोस से, जिनकी मूर्ति वहां ही स्थापित हैं।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पसंद और नापसंद से मुक्त होना जरूरी

संकलित

दर्शन

आपने देखा होगा कि लोग बड़े गर्व से अक्सर कहते हैं, 'मुझे यह पसंद है, इसलिए मैं यह करके रहूंगा और वह मुझे पसंद नहीं है, इसलिए उसे मैं बिल्कुल नहीं करूंगा, क्योंकि मैं स्वाधीन हूं।' क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि यह सोच सचमुच आपकी स्वाधीनता से जन्मा है? यह स्वाधीनता नहीं है, यह तो बेबसी है, लाचारी है। पसंद और नापसंद की बेड़ियों में आज लगभग पूरी मानवता जकड़ी हुई है। सभी पारिवारिक झगड़ों की जड़ में लोगों की व्यक्तिगत पसंद और नापसंद ही होती हैं। पसंद और नापसंद को लेकर समाज, राष्ट्र और धर्म तक बंटे हुए हैं। जब हमारे सोच का दायरा बहुत सीमित होता है, हम कई तरह के पूर्वाग्रहों से ग्रस्त हो जाते हैं, फिर हम पर पसंद और नापसंद की सनक सवार हो जाती है। तब हम उसे नहीं देख पाते, जिसकी जरूरत है। हम वही करते हैं, जिसे हम पसंद करते हैं। वह नहीं करते, जिसे किए जाने की आवश्यकता है। फिर शुरू होता है अविराम झंझटों व विवादों का सिलसिला और उसी में उलझकर रह जाता है हमारा लघु-जीवन। योग परंपरा में भीतरी आयाम को बहुत गहराई से देखा गया और भीतरी पराधीनता से मुक्त होने की कई तकनीकों का आविष्कार किया गया, क्योंकि जो भीतरी पराधीनता का शिकार नहीं है, उसे कोई बाहरी शक्ति उस पर नियंत्रण नहीं कर सकती। पसंद और नापसंद की सनक से मुक्त होने के लिए हमें अपनी चेतना पर काम करना होगा। एक जागरूक व्यक्ति ही यह देख पाने में सक्षम होता है कि किसी विशेष परिस्थिति में क्या आवश्यक है और क्या किया जाना चाहिए।

गुरु की कृपा से असंभव काम पूरे हो पाते हैं

संकलित

प्रेरणा

महाभारत और श्रीमद् भागवद् कथा के रचियता महर्षि वेदव्यास भगवान विष्णु के अवतार माने गए हैं। इनका पूरा नाम कृष्णद्वैपायन था। इन्होंने ही वेदों का संपादन किया। इसलिए इनका नाम वेदव्यास पड़ा। इनके पिता महर्षि पाराशर और माता सत्यवती थीं। पैल, जैमिन, वैशम्पायन, सुमन्तु मुनि, रोमहर्षण आदि महर्षि वेदव्यास के महान शिष्य थे। एक बार महर्षि वेदव्यास हस्तिनापुर गए। उस समय गांधारी और धृतराष्ट्र ने उनकी बहुत सेवा की थी। उनकी सेवा से प्रसन्न होकर महर्षि ने सौ पुत्रों की माता होने का वरदान गांधारी को दिया था। कुछ समय बाद जब गांधारी गर्भवती हुईं। जब संतान के जन्म का समय आया तो संतान की जगह एक मांस पिंड प्रकट हुआ। जब ये बात वेदव्यास जी को मालूम हुई तो वे तुरंत गांधारी के पास पहुंचे। वेद व्यास जी ने अपनी विद्या से उस मांस पिंड से सौ पुत्र बना दिए। गुरु की कृपा से गांधारी सौ पुत्रों की माता बन गई। महर्षि के आशीर्वाद से ही गांधारी को सौ पुत्र हुए जो आगे जाकर कौरव कहलाए। जिनके सेनापति दुर्याधन हुए। महाभारत के युद्ध में दुर्याधन ने ही कौरव सेना की कमान संभाली थी। गुरु की कृपा हो जाती है तो असंभव काम भी पूरा हो जाता है। इसी लिए हम गुरु की आराधना सच्चे मन से करनी चाहिए ताकि उसका फल हमें मिले। कहा गया है की बिना गुरु ज्ञान अधूरा है। गुरु ही हमारा विपत्ति के समय मार्ग दर्शन करते हैं।

क्रिसमस सेलिब्रेशन

शिमला में गुरुवार को क्रिसमस सेलिब्रेशन के दौरान सांता क्लॉज की ड्रेस में एक बच्चा फोटो के लिए पोज दे हुए।

आज की पाती

उचित जीवनशैली बचाएगी कैंसर से

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस पहली बार यह दिवस वर्ष 2014 में मनाया गया था। कहा जाता है कि यह नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक मैरी क्यूरी के जन्मदिन के दिन मनाया जाता है। मैरी क्यूरी को भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में भी नोबेल पुरस्कार दिया गया था, यह रेडियो एक्टिविटी की खोज करने के कारण भी प्रसिद्ध थी। इस दिवस के मनाए जाने का मुख्य कारण लोगों को कैंसर से बचने के तौर तरीकों के प्रति जागरूक करना भी है। दुनिया में ही नहीं, बल्कि हमारे देश में भी इसके मरीजों की संख्या बढ़ी है। यह ऐसी बीमारी है जिसके बारे में लोगों को तब पता चलता है जब यह व्यक्ति को मौत के करीब ले आती है। बहरहाल, उचित जीवनशैली को अपनाकर हम कैंसर से बच सकते हैं।

- प्रकाश ठाकुर, बिलासपुर

ट्रेंड

गगनयान मिशन

भारत के युवाओं की बदौलत हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम अधिक उन्नत और प्रभावशाली होता जा रहा है। एलवीएम3 की विश्वसनीय भारी भार वहन क्षमता के साथ, हम गगनयान जैसे भविष्य के मिशनों की नींव मजबूत कर रहे हैं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सांस्कृतिक परियोजना

महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के जीवन से जुड़ी बटद्रवा सत्र की भूमि को असम सरकार ने अतिक्रमणमुक्त किया। वहां एक सांस्कृतिक परियोजना को साकार रूप दिया है, जहां सनातन परंपरा और असम की समृद्ध संस्कृति को सुंदर रूप में प्रदर्शित किया है।

- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

नए कॉरिडोर मंजूर

दिल्ली के लिए दीर्घकालिक समाधानों पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए एक नया मार्ग प्रशस्त किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली मेट्रो के चरण-5 (ए) के तहत तीन नए कॉरिडोर को मंजूरी दी है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

उपेक्षा से तिरस्कार तक

भाजपा राज में 'बाटी-चोखा' भी नहीं केवल 'माटी-धोखा' खाने को मिलता है। अब बात 'हाता नहीं भाता' से बहुत आगे निकल गयी है। जब बात उपेक्षा से तिरस्कार तक पहुँच जाती है तो कोई भी समाज सह नहीं पाता है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

वर्ष 2025 में संयुक्त राष्ट्र 80 वर्ष का हुआ

दुनिया के कई इलाकों में जारी संघर्षों, वित्तीय संकट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना के बीच, संयुक्त राष्ट्र ने 2025 में अपनी 80वीं वर्षगांठ मनाई, जबकि भारत ने विश्व निकाय से ''नेतृत्व और आशा'' पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया और एक बड़ी भूमिका निभाने की इच्छा व्यक्त की। यूक्रेन और गाजा में संघर्ष, सूडान से लेकर म्यांमा तक दुनिया भर के कई अन्य हिस्सों में युद्ध की स्थिति ने 2025 में भी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में संयुक्त राष्ट्र और उसकी शक्तिशाली, लेकिन ध्रुवीकृत, सुरक्षा परिषद की अक्षमता को उजागर किया। जैसे-जैसे राष्ट्र मानवीय आपात स्थितियों, जलवायु संकट और आर्थिक असमानता से जूझ रहे हैं, वैसे-वैसे संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता पर सवाल और मुखरता से उठाए जा रहे हैं जिनमें प्रमुख सवाल यह है कि क्या 1945 में स्थापित 80 साल पुराने इस संगठन के पास 21वीं सदी में अस्थिर दुनिया की समस्याओं का समाधान है। इस पृष्ठभूमि में, भारत ने इस बहुपक्षीय संगठन में सुधार के लिए जोरदार आह्वान किया है। सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से विश्व नेताओं को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि एक 'निष्पक्ष रिपोर्ट कार्ड' से पता चलेगा कि संयुक्त राष्ट्र संकट की स्थिति में है।

ऑफ बीट

आम पकने के पहले ही क्यों गिर जाते हैं ?

ऑस्ट्रेलिया में हर मौसम में आम उत्पादकों को उस समय भारी नुकसान होता है, जब पेड़ों से बड़ी संख्या में फल पकने से पहले ही गिर जाते हैं। शोध में वैज्ञानिकों ने पाया है कि तनाव के दौरान पेड़ों में हार्मोनल असंतुलन और कार्बोहाइड्रेट की कमी पैदा हो जाती है। फल के विकास के लिए आवश्यक शर्करा की आपूर्ति बाधित होने पर पेड़ अपने अस्तित्व को प्राथमिकता देता है और फल गिर जाता है। शोधकर्ताओं ने इसे एक आणविक क्विट सिग्नल बताया है, जो पेड़ को फल का साथ छोड़ने का संदेश देता है। यह संकेत जीन गतिविधि और हार्मोनल संकेतों के जटिल नेटवर्क से जुड़ा है। इस प्रक्रिया को समझने के लिए वैज्ञानिक आम के डंठल (पेडिसल) के ऊतकों में जीन गतिविधियों का अध्ययन कर रहे हैं, जहां पेड़ और फल के बीच पोषक तत्वों और संकेतों का आदान-प्रदान होता है। फल झड़ने की समस्या के लिए शोध में पौध वृद्धि नियामकों (प्लांट ग्रोथ रेगुलेटर्स) के उपयोग को एक प्रभावी उपाय बताया गया है। ये हार्मोन के कृत्रिम रूप होते हैं, जो तनाव की स्थिति में पेड़ों में संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। परीक्षणों में पाया गया कि फूल आने के शुरुआती चरण में इनका प्रयोग अधिक प्रभावी रहा, जिससे पैदावार में 17 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई।

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

खबर संक्षेप

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पार्किंग शुल्क घटा

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रीडेवलपमेंट काम के कारण, पहाड़गंज साइड की पार्किंग

बंद कर दी गई है। फीस में बदलाव किया गया है। प्राइवेट गाड़ियों के लिए 8 मिनट तक की फ्री ड्रॉप-ऑफ सुविधा जारी रहेगी। कैब ड्राइवरों को 30 रुपए देने होंगे। सभी गाड़ी ड्राइवरों को 9 से 15 मिनट के लिए 50 रुपए की फीस देनी होगी।

गैंगरेप में सीईओ व महिला एग्जीक्यूटिव हेड रिमांड पर

उदयपुर। शहर में एक महिला मैनेजर के साथ चलती कार में कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले

में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में एक आईटी कंपनी का सीईओ, महिला एग्जीक्यूटिव हेड और उसका पति शामिल हैं। उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

हिमाचल में डॉक्टर सामूहिक अवकाश पर

शिमला। आईजीएमसी शिमला में मरीज से मारपीट पर आरोपी डॉक्टर को बर्खास्त करने के बाद

यह मामला गरमा गया है। गुस्साए चिकित्सक संगठनों ने शुक्रवार को एक दिन का सामूहिक अवकाश करने का निर्णय लिया है। मांगें न मानने पर शनिवार से हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है।

पीएम मोदी ने वीर बाल दिवस पर भारत मंडपम में बच्चों को किया संबोधित

वीर साहिबजादे अदम्य साहस, शौर्य, वीरता की पराकाष्ठा, मजहबी कट्टरता-आतंक का वजूद हिलाया

बाल वीरों को बताया देश का गौरव, जेन जी ही देश को आगे ले जाएंगे

नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीर बाल दिवस के मौके पर नई दिल्ली में स्थित भारत मंडपम में बच्चों को संबोधित किया। भारत मंडपम में हुए आयोजन से पहले प्रधानमंत्री ने इस वर्ष वीरता पुरस्कार से सम्मानित बच्चों के साथ संवाद भी किया। बच्चों के साथ मुलाकात करने की वीडियो भी सामने आया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश वीर बाल दिवस मना रहा है। अभी वंदे मातरम की सुंदर प्रस्तुति हुई। आज हम उन वीर साहिबजादों को याद कर रहे हैं, जो भारत का गौरव हैं। उन्होंने कहा कि वीर साहिबजादे भारत के अदम्य साहस, शौर्य, वीरता की पराकाष्ठा हैं। वीर साहिबजादों ने सारी सीमाओं को तोड़ दिया। वे क्रूर मुगल सल्तनत के सामने चट्टान की तरह खड़े हो गए।

औरंगजेब की कट्टरता भी उन्हें नहीं हिला पाई

उम्र और अवस्था की सीमाओं को तोड़ दिया

गुलामी की मानसिकता से देश को आजाद नहीं होने दिया गया

बच्चों को संबोधित करते पीएम मोदी

उन्होंने कहा कि बलिदान की गाथा देश में जन-जन की जुबान पर होनी चाहिए थी। दुर्भाग्य से आजादी के बाद भी देश में गुलामी की मानसिकता हावी रही। इस गुलामी का बीज अंग्रेज राजनेता मैकाले ने 1835 में बोया था। उस मानसिकता से देश को आजादी के बाद भी मुक्त होने नहीं दिया गया। आजादी के बाद भी देश में ऐसी सच्चाईयों को दबाने की कोशिश की गई।

वीर साहिबजादों को कोई हिला नहीं पाया

पीएम ने कहा कि वीर साहिबजादों को छोटी सी उम्र में उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा। वो लड़ाई भारत के मूल विचारों और मजहबी कट्टरता के बीच थी। वो लड़ाई सत्य बनाम असत्य के बीच थी। उस लड़ाई की एक ओर गुरु गोविंद सिंह जी थे, दूसरी ओर क्रूर औरंगजेब की हुकूमत थी। हमारे साहिबजादे उस समय छोटे ही थे, लेकिन औरंगजेब की क्रूरता को इससे फर्क नहीं पड़ा। वो जानता था भारत के लोगों को डराकर उनका धर्मांतरण कराना है तो मनोबल तोड़ना होगा। इसलिए उसने साहिबजादों को निशाना बनाया। लेकिन, हमारे वीर साहिबजादों को कोई हिला नहीं सका। वे अडिग रहे।

जेन-जी और जेन अल्फा विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएंगे

पीएम मोदी ने जेन-जेड और जेन-अल्फा को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी जेनरेशन ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएगी। मैं जेन-जेड की योग्यता, आपका आत्मविश्वास देखता हूं, समझता हूं और इसलिए आप पर बहुत भरोसा करता हूं। उन्होंने कहा कि पहले युवा सपने देखने से भी डरते थे, क्योंकि पुरानी व्यवस्थाओं में ये माहौल बन गया था।

साहसी और प्रतिभावान बच्चों को मिला मंच

उन्होंने कहा कि बीते 4 वर्षों में वीर बाल दिवस की नई परंपरा ने साहिबजादों की प्रेरणाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाया है। वीर बाल दिवस ने साहसी और प्रतिभावान बच्चों के निर्माण के लिए एक मंच तैयार किया है। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों से आए 20 बच्चों को ये पुरस्कार दिए गए हैं।

2022 से हुई वीर बाल दिवस मनाने की शुरुआत पीएम मोदी ने बताई अहमियत

मोदी ने सिखों के गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्र साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी के असाधारण साहस और सर्वोच्च बलिदान की स्मृति में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने का ऐलान किया था। उन्होंने आज वीरता पुरस्कार से नवाजे गए बच्चों से मुलाकात के पहले एक्स हैंडल पर लिखा, वीर बाल दिवस श्रद्धा का दिन है, जो वीर साहिबजादों के बलिदान को याद करने के लिए समर्पित है। इसकी शुरुआत 2022 को हुई थी।

अन्नपूर्णा ने इसे सपनों, संघर्षों और उपलब्धियों की पहचान बताया

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि हर वर्ष प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल वीर पुरस्कारों के लिए आवेदन की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जब हम इन बच्चों की उपलब्धियां देखते हैं तो मन गर्व से भर उठता है। भविष्य के प्रति हमारा विश्वास और मजबूत होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल वीर पुरस्कार से सम्मानित बच्चों से कहा कि यह पुरस्कार आपके सपनों, संघर्षों और उपलब्धियों की पहचान है। जो लाखों बच्चों को प्रेरित करेगा।

राजस्थान के चौमू में सांप्रदायिक तनाव

धार्मिक स्थल से पत्थर हटाने पर पुलिस पर पथराव, इंटरनेट बंद

पुलिस ने 75 को हिरासत में लिया

पुलिस की तैनाती

नई दिल्ली,

जयपुर जिले के चौमू कस्बे में गुरुवार आधी रात के बाद अचानक सांप्रदायिक तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। एक मस्जिद से जुड़े विवाद के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस पर पत्थरबाजी कर दी, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसमें पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और लाठीचार्ज करना पड़ा। कड़ी कार्रवाई के बाद स्थिति पर काबू पा लिया गया। मस्जिद परिसर के पास सड़क किनारे पड़े पत्थरों को हटाने का कार्य चल रहा था। यह पत्थर लंबे समय से आबादी क्षेत्र में सड़क पर पड़े थे, जिससे यातायात बाधित हो रहा था। पत्थर हटाने की कार्रवाई का स्थानीय लोगों ने विरोध किया, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। इसमें 75 से ज्यादा उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है।

■ कई पुलिसकर्मी घायल हो गए

पुलिस को आंसू गैस और लाठीचार्ज करना पड़ा

विरोध के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने अचानक पुलिस बल पर भारी पत्थरबाजी शुरू कर दी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्पेशल ऑपरेशन कमिश्नर राहुल प्रकाश, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर डॉ. राजीव पचार और मनीष अग्रवाल मौके पर पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए हालात को नियंत्रण में लिया।

बस स्टैंड और स्थल बना पुलिस छावनी

घटना के बाद एहतियातन चौमूं बस स्टैंड और आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है।

इंटरनेट सेवा पर अस्थायी बैन

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए संभागीय आयुक्त ने आदेश जारी करते हुए चौमू क्षेत्र में 26 दिसंबर सुबह 7 बजे से 27 दिसंबर सुबह 7 बजे तक इंटरनेट सेवाओं पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है।

एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी कम करने की याचिका

हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से 10 दिन में जवाब तलब किया, अब 9 को होगी अगली सुनवाई

राजधानी में खराब हवा की क्वालिटी पर नागरिक परेशान

नई दिल्ली,

दिल्ली हाई कोर्ट ने राजधानी में खराब हवा की क्वालिटी को देखते हुए एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी कम करने की याचिका पर केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। जस्टिस विकास महाजन और विनोद कुमार की वेकेशन बेंच ने केंद्र सरकार को याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए 10 दिन का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई के लिए 9 जनवरी की तारीख तय की।

जीएसटी कम करने को कहा था

दिल्ली हाईकोर्ट

बुधवार को हाईकोर्ट ने राजधानी में खराब होती वायु गुणवत्ता को देखते हुए जीएसटी काउंसिल को निर्देश दिया था कि एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी को कम या पूरी तरह खत्म करने पर विचार करें। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की बेंच ने आदेश दिया था।

जीएसटी को 5 प्रतिशत स्लैब में लाएं

कोर्ट ने कहा था एयर प्यूरीफायर पर टैक्स छूट देने के लिए कुछ नहीं किया जा रहा। अगर साफ हवा नहीं दे सकते, तो जीएसटी कम करें। इसे मेडिकल डिवाइस मानकर जीएसटी को 5 प्रतिशत स्लैब में लाने की मांग की गई है।

एयर प्यूरीफायर लग्जरी आइटम नहीं: वकील

वकील कपिल मदान की दाखिल याचिका में कहा कि दिल्ली में गंभीर प्रदूषण की अत्यधिक इमरजेंसी संकट स्थिति में एयर प्यूरीफायर को लग्जरी आइटम नहीं माना जा सकता। साफ इनडोर हवा स्वास्थ्य और जीवित रहने के लिए आवश्यक हो गई है। तर्क दिया गया कि एयर प्यूरीफायर पर सबसे ऊंची स्लैब में जीएसटी लगाना बड़ी आबादी के लिए पहुंच से बाहर कर देता है, जो असंवैधानिक है।

उन्नाव दुष्कर्म केस में दिल्ली हाईकोर्ट के बाहर प्रदर्शन

पीड़िता की मां ने कहा

उच्च न्यायालय से विश्वास उठ गया हत्यारे को तुरंत फांसी देना चाहिए

पुलिस ने दी चेतावनी, मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा उन्नाव रेप केस के दोषी पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत देने के फैसले के खिलाफ

शुक्रवार को हाईकोर्ट के बाहर लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने फैसले की कड़ी निंदा की और न्याय की मांग की। पीड़िता की मां ने फैसले पर दुख जताया। सेंगर की जमानत रद्द होनी चाहिए। हाईकोर्ट से हमारा विश्वास उठ गया है, अगर सुप्रीम कोर्ट में भी न्याय नहीं मिला तो हम दूसरे देश चले जाएंगे। हत्या करने वाले को तुरंत फांसी दें।

नाइंसाफी को वापस लिया जाए

कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने हाईकोर्ट के फैसले को बड़ा झटका बताते हुए कहा, यह बहुत बड़ा झटका है, जिस तरह हाईकोर्ट ने तकनीकी आधार पर सेंगर को खुली छूट दे दी। इससे देश में बहुत गलत मिसाल कायम हो रही है, इससे न केवल पीड़िता परिवार का, बल्कि पूरे देश की महिलाओं का विश्वास टूटा होगा। महिला अधिकार कार्यकर्ता योगिता भयाना ने कहा कि आज हम शांतिपूर्वक हाईकोर्ट आए हैं। हमें न्याय मिले। सीबीआई सुप्रीम कोर्ट पहुंची है।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अंजू श्रीवास्तव पत्नी धमेन्द्र श्रीवास्तव जाति कायस्थ निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 3750/16 रकबा 0.012 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 07/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा). अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अंजू श्रीवास्तव पत्नी धमेन्द्र श्रीवास्तव जाति कायस्थ निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०म०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 3750/17 रकबा 0.012 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 07/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा), अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. 202407260300058/अ-27/2024-25 पक्षकार श्रीमति बाकुली प्रति ईतु उर्फ ईतुरानी ग्राम संजयनगर

आगामी पेशी 08/01/20265

नोटिस बनाम :-

ईतु उर्फ ईतुरानी आ० स्व. देवेन्द्रनाथ, निवासी ग्राम संजयनगर, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

इस न्यायालय में लंबित प्रकरण 202407260300058/अ-27/2024-25 में आपको कई बार समन्स / नोटिस जारी किया गया परन्तु आपको समंस / नोटिस की तामिली नहीं हो रही है। आप लोगों को इस ईश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आप लोग इस न्यायालय में पेशी तारिख 08/01/2026 को दोपहर 02.00 बजे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति मय सबुत व दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते है। यदि नियत तिथि पर आप अनुपस्थित रहते है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी। यदि किसी कारणवश उक्त निर्धारित तिथि को न्यायालय में अवकाश घोषित हो जाता है तो प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्य दिवस पर होगी। आज दिनांक 24/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से ईश्तहार जारी किया गया।

दिनांकः- 24/12/2025

स्थान- सूरजपुर

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)

सूरजपुर,जिला सूरजपुर (छ.ग.)

वीर बाल दिवस पर मनाया गया शहीदी दिवस

हमीरपुर ।भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष शकुंतला निषाद की अध्यक्षता में आज गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा राठ में अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अमरजीत अरोड़ा की उपस्थिति में वीर बाल दिवस शहीदी दिवस के रूप में मनाया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष जिला प्रभारी देवेश कुमार जी रहे विशिष्ट अतिथि राठ विधायक मनीषा अनुरागी जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत नगर पालिका अध्यक्ष श्री निवास बुधौलिया अम्बरेस कुमारी मौजूद रहे मुख्य अतिथि ने कहा की शौर्य किसी उम्र का मोहताज नहीं होता देश के लिए कैसे जिए और इन बलदानियों को हमेशा याद करते हुए उनके प्रेरणा के अनुसार देश हित का कार्य करना चाहिए आज के इस कार्यक्रम में युवा मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह अनुसूचित मोर्चा प्रमोद वर्मा किशन व्यास जिला मीडिया प्रभारी अरविंद श्रीवास्तव महेंद्र शुक्ला निशा भटनागर नीतू भटनागर अनीता राजपूत आराधना राजपूत रोहित निषाद उपस्थित रहे ।

20 बच्चों को राष्ट्रपति ने दिया प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

हमारे वीर बालकों ने समाज और पूरे देश का गौरव बढ़ाया

नई दिल्ली,

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को वीर बाल दिवस के अवसर पर देश के 20 प्रतिभाशाली बच्चों को

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार 5 से 18 वर्ष की आयु के उन बच्चों को दिया जाता है, जिन्होंने साहस, खेल, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं नवाचार, समाज सेवा, कला और संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण योगदान देकर देश का नाम रोशन किया है। राष्ट्रपति ने सभी पुरस्कार विजेता बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपने परिवार,समाज और पूरे देश का गौरव बढ़ाया है।

सभी पुरस्कार विजेता बच्चों को बधाई दी

इसे देशप्रेम और राष्ट्र एकता का उत्सव बताया

असाधारण योगदान को किया रोशन

सम्मानित बच्चों के साथ राष्ट्रपति

तो मानवता और भविष्य सुरक्षित

राष्ट्रपति ने कहा कि जिस देश के बच्चे उच्च आदर्शों और देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत होते हैं, उस देश की मानवता और भविष्य दोनों सुरक्षित रहते हैं। उन्होंने महान क्रांतिकारी शहीद उधम सिंह की जयंती का उल्लेख किया।

यह इतिहास का एक अत्यंत प्रेरक अध्याय

राष्ट्रपति ने कहा कि 2022 से 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इसका इतिहास अत्यंत प्रेरक अध्याय जुड़ा हुआ है। उन्होंने सिख पंथ के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और उनके चार साहिबजादों के बलिदान को स्मरण किया।

अन्य बच्चे भी इनसे प्रेरणा लें

राष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के माध्यम से बच्चों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि देश के अन्य बच्चे भी उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें।

कमिटमेंट / अंशु सिंह

बच्चो, नया साल आने वाला है। तुमने प्लानिंग शुरू कर दी होगी, इसे कैसे सेलिब्रेट करोगे। नया साल तुम्हारे लिए कैसे बेहतर साबित हो, तुम्हारे क्या नए रेजॉल्यूशन हों। नए साल में तुम ऐसा नया क्या करो, जो तुम्हें खुशी मिले, सफलता की राह बने, जानो।

न्यू ईयर के लिए डिसाइड करो कुछ अलग रेजॉल्यूशन

बच्चो, नया साल आने ही वाला है। सभी इसकी कुछ न कुछ तैयारी में लगे हैं, ताकि नए साल का जश्न शानदार और यादगार बन सके। बच्चो, तुम सबने भी कुछ प्लानिंग की होंगी। बहुत कुछ सोचा होगा कि नए साल के स्वागत में क्या-क्या करेंगे? कहां पार्टी करेंगे, कहां घूमने जाएंगे, परिवार के अलावा दोस्तों के साथ मस्ती कैसे करेंगे? इतना ही नहीं, नए साल में क्या नया रिजॉल्यूशन लेंगे, इसके बारे में भी सोचा होगा। लेकिन ये सब तो आमतौर पर सभी करते हैं। तुम अलग क्या करोगे? ऐसा क्या करोगे, जो तुम्हारे लिए सिर्फ एक दिन या रात का जश्न न हो, बल्कि हर दिन, नए उत्साह और नई उम्मीद से भरा देखें। समस्याओं से कभी घबराएं नहीं। बेवजह गुस्सा न करें, बड़ों की सलाह मानकर आगे बढ़ें। तो बच्चों क्या तुम तैयार हो, ऐसा कुछ करने के लिए?

जरूरी है इरादों में दृढ़ता

कई बच्चे दोस्तों या बड़ों की देखा-देखी में रेजॉल्यूशन तो ले लेते हैं, लेकिन उसे पूरा करने के लिए जो दृढ़ता चाहिए, वो उनमें नहीं होती है। बच्चो, जब तुम कोई लक्ष्य बनाओ, कोई टारगेट फिक्स करो तो उसे पूरा करने के लिए मेहनत, आत्मविश्वास के साथ मन में दृढ़ता जरूर होनी चाहिए। नए साल में इस बात को ध्यान में रखो।

पहचानो अपनी खूबी

बच्चो, हर किसी में कोई न कोई खूबी जरूर होती है। तुम्हारे अंदर भी होगी। कई बार इस खूबी को पहचानने में देरी होती है। इसमें टीचर्स, पैरेंट्स, दोस्त या घर के बड़े हमारी मदद करते हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज गेंदबाज कुलदीप यादव को सभी जानते हैं। अपने चाचा को क्रिकेट खेलते देखकर, उनकी दिलचस्पी इस खेल में हुई। फिर पिता जी ने मोटिवेट किया कि वह पढ़ाई के साथ-साथ क्रिकेट भी खेलें। कुलदीप, पेस बॉलर बनना चाहते थे। लेकिन जब पहली बार कोच के पास पहुंचे, तो उन्होंने उनके अंदर छिपी प्रतिभा को पहचाना और स्पिन गेंदबाजी के लिए प्रेरित किया। पहले थोड़ा झटका लगा। लेकिन वे उन पर विश्वास कर आगे बढ़े और उनका फैसला सही साबित हुआ। बच्चो, नए साल में तुम भी अपने अंदर की खूबी को पहचानो, जैसे तुम्हारे भीतर सिंगिंग, पेंटिंग, डॉसिंग या राइटिंग का टैलेंट हो तो उसे संवारने का संकल्प ले सकते हो। साथ ही दूसरों की खूबियों से नया सीखने की भी कोशिश करो।

पैरेंट्स के साथ करो खुलकर बातें

बच्चों की एक आम शिकायत रहती है कि पैरेंट्स उन्हें अपने मन का करने नहीं देते। जरूरत से ज्यादा रोकते-टोकते हैं। उन पर भरोसा नहीं करते हैं। अकेले दोस्तों के साथ घूमने जाने या देर रात पार्टी करने से रोकते हैं। दरअसल, पैरेंट्स के ऐसा करने की वजह होती है। वे नहीं चाहते हैं कि तुम्हारे साथ कुछ गलत हो। तुम गलत संगत में पड़ो और फंसो। वे तुम्हें गुमराह होने से बचाना चाहते हैं। पैरेंट्स को तुम्हारी सुरक्षा की चिंता रहती है। बच्चो, इस बात को समझो कि पैरेंट्स अनुभवी होते हैं। उन्हें लोगों की परख होती है। इसलिए तुम्हें उनकी बातें माननी चाहिए। अपनी पसंद या नापसंद के बारे में उन्हें जरूर खुलकर बताओ। डरो नहीं और न संकोच करो। अपने पैरेंट्स से सलाह लेने में कोई हर्ज नहीं है। बात करने से हर प्रॉब्लम का सही सॉल्यूशन निकलता है।

मानो दोस्तों की सही सलाह

अच्छे दोस्त परिवार के सदस्य की तरह होते हैं, जो अच्छे और बुरे वक्त दोनों में हमें सपोर्ट करते हैं। हमारी खूबियों की सराहना करते हैं, गलत होने पर टोकने से भी पीछे भी नहीं रहते। दोस्तों को इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि हमें बुरा लग सकता है, क्योंकि वे हमारे बारे में सिर्फ अच्छा और पॉजिटिव सोचते हैं। जैसे, सिक्स्थ की स्टूडेंट दीपक को जंक फूड के अलावा कुछ और पसंद ही नहीं आता था। इससे उसका वजन बढ़ने लगा। तब उसके दोस्त अनुज ने उसे साइक्लिंग और योगा करने की सलाह दी। दीपक ने उसकी बात मानी। कुछ समय बाद ही असर दिखने लगा। कहने का मतलब है कि जब हम अपनों की बातों को पॉजिटिव तरीके से लेते हैं, तो बदलाव भी हमारे हित में होते हैं। *

ऐसे सेलिब्रेट करो न्यू ईयर

बच्चो, अगर तुम सोच नहीं पा रहे हो कि न्यू ईयर कैसे सेलिब्रेट करें, तो तुम हमारे सुझाव अमल में ला सकते हो-

- घर पर मजेदार एक्टिविटीज कर सकते हो। तुम ग्लोस्टिक डांस पार्टी के अलावा डीआईवाई क्राफ्ट्स (टोपी, पॉपर्स), स्पार्कलिंग साइडर के साथ आधी रात का नकली काउंटडाउन करके नए साल का जश्न मना सकते हो।
- बैकयार्ड में गेम्स और खाने के साथ बोनफायर अरेंज कर सकते हो।
- परिवार के साथ किसी अच्छी जगह घूमने जा सकते हो। अपने शहर के मॉल में बच्चों के लिए बने जोन में म्यूजिक के साथ थीम वाले इवेंट में शामिल हो सकते हो, तुम्हें बहुत मजा आएगा।
- ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्थलों की सैर कर सकते हो। एडवेंचर पार्क भी जा सकते हो।

टीवी चाइल्ड आर्टिस्ट्स

बीते साल की अचीवमेंट्स नए साल से नई आशाएं

बच्चो, बीत रहा साल हमें कुछ अचीवमेंट्स देकर जाता है, नया साल हमारे भीतर नई आशाएं जगाता है। टीवी के दो चाइल्ड आर्टिस्ट एकदास खान और श्रेया पटेल, बालभूमि को बता रहे हैं कि बीत रहे साल 2025 में उन्होंने क्या अचीव किया, नए साल 2026 से उन्हें क्या आशाएं हैं? साथ ही ये दोनों यह भी बात रहे हैं, न्यू ईयर कैसे सेलिब्रेट करेंगे, इनके क्या रेजॉल्यूशंस हैं।

मेरे लिए यह साल सुपर-डुपर रहा : अकदास खान

सन नियो चैनल के शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' में अकदास खान, सप्पू का किरदार निभा रहा है, जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। साल 2025 में इस शो का हिस्सा बनकर अकदास बहुत खुश है। वह बताता है, 'यह साल मेरे लिए सुपर-डुपर रहा। मुझे इतने बड़े शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' में सप्पू का रोल प्ले करने का मौका मिला। मैंने इस साल कैमरे को फेस करना, अच्छे से डायलॉग बोलना और सीन में सही रिएक्शन देना सीखा।' नए साल 2026 के अपने रेजॉल्यूशन के बारे में अकदास बताता है, 'आने वाले साल में मेरा रेजॉल्यूशन है कि मैं सप्पू के रोल को और भी अच्छे से एक्ट करूं। मैं नए साल में डांस, गाना और कुछ एडवेंचर वाली स्किल्स भी सीखूंगा। उम्मीद करता हूं कि नए साल में मुझे बड़े और अच्छे रोल्स मिलेंगे।' न्यू ईयर सेलिब्रेशन की प्लानिंग के बारे में भी अकदास बहुत उत्साहित होकर बताता है, 'इस बार मैं अपने शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' के सभी दोस्तों के लिए छोटे-छोटे न्यू ईयर कार्ड्स बनाऊंगा। मम्मा और मैं घर पर गुब्बारे और छोटी-छोटी लाइट्स भी लगाएंगे। अबकी न्यू ईयर पर घर में और सेट पर हम खूब एंज्वॉय करने वाले हैं। सभी को मेरी तरफ से हैप्पी न्यू ईयर!' *

नए साल में निखारूंगी अपनी एक्टिंग स्किल : श्रेया पटेल

इन दिनों श्रेया पटेल सोनी सब के धार्मिक सीरियल 'गाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय' में सिद्धि का किरदार निभा रही है। उसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। श्रेया के लिए साल 2025 बेहद खास रहा। वह मुस्कुराते हुए बताती है, 'मेरे लिए इस साल की शुरुआत सोनी सब के शो 'तेनाली रामा सीजन-2' से हुई। मुझे खुशी है, इस शो में दर्शकों को मेरा रोल, मेरी एक्टिंग पसंद आई। साल बीतते-बीतते मुझे नया शो 'गाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय' मिल गया, जिसमें मैं सिद्धि का रोल प्ले कर रही हूं। मुझे इस साल नए-नए प्रोजेक्ट्स मिले और खुद को प्रूव करने का अवसर भी मिला। इस लिहाज से देखा जाए तो साल 2025 मेरे लिए बहुत ही खास रहा।' आने वाले साल 2026 से श्रेया को कई उम्मीदें हैं। उसने कुछ गोल्स भी सेट किए हैं, वह बताती है, 'मैं उम्मीद करती हूं, नए साल में मुझे अच्छे शोज में लीड रोल निभाने का मौका मिलेगा। नए साल में मैं एक्टिंग कॉलेज से जुड़कर अपना एक्टिंग स्किल निखारना चाहती हूं।' श्रेया न्यू ईयर कैसे सेलिब्रेट करती है, पूछने पर बताती है, 'नए साल की शुरुआत मैं अपने फैमिली मेंबर्स और फ्रेंड्स को न्यू ईयर विश करके करती हूं। फैमिली के साथ पार्टी करती हूं। बालभूमि के नन्हे दोस्तों को मेरी ओर से नए साल की गुड विशेज।' *

प्रस्तुति : बालभूमि फीचर्स

कविता / राजा चौरसिया

स्वागत है नव वर्ष तुम्हारा

जा रहा पुराना साल छोड़कर
यादों का अनमोल पिटारा।
हम सब करते हैं अगवानी
स्वागत है नव वर्ष तुम्हारा।
नई उमंगें, नई तरंगें
और चेहरे खिले हुए हैं।
प्रिय बधाइयों, उपहारों के
सबको अवसर मिले हुए हैं।
नजरें तो हैं वही पुरानी
किंतु नया सब ओर नजारा।

हम सब करते हैं अगवानी
स्वागत है नव वर्ष तुम्हारा।
गीत देश के भी गाएंगे
इसको भूल नहीं पाएंगे।
बारह माह सफलताओं का
मनचाहा उत्सव मनाएंगे।
नई सोच की पटरी पर ही
दौड़ेगा उत्साह हमारा।
हम सब करते हैं अगवानी
स्वागत है नववर्ष तुम्हारा।

कहानी
रेनू सैनी

स्पर्श की जैसे सफाई से परहेज था। उसके मम्मी-पापा और दोस्त उसे समझाते, लेकिन उस पर कोई असर नहीं होता। स्पर्श का मौसेरा भाई पंकज, क्रिसमस की छुट्टियों में जब उसके पास आया, तो उसने स्पर्श को सुधारने की सोची। पंकज क्या स्पर्श को सुधार सका?

नववर्ष का संकल्प

निर्मला मैडम सेवेंथ क्लास के बच्चों को हेल्थ से जुड़ी उपयोगी जानकारी दे रही थीं। उन्होंने बच्चों को बदलते मौसम में फैल रही बीमारियों जैसे वायरल फीवर, टाइफाइड और लूज मोशन के बारे में बताया। बच्चे उनकी बातें ध्यान से सुन रहे थे, लेकिन स्पर्श का ध्यान कहीं और था। वैसे तो वह होशियार बच्चा है, लेकिन उसमें एक बुरी आदत है कि सफाई से दूर रहता है। वह कभी भी ढंग से हाथ नहीं धोता है। यहां तक कि खाना खाने से पहले भी नहीं। स्पर्श के माता-पिता और दोस्त उसे हर तरह से समझा कर थक चुके हैं, किंतु वह किसी की भी नहीं सुनता। उसके कपड़े भी अकसर मैले रहते हैं। यहां तक कि उसकी किताबें, कॉपियां फटी मिलती हैं। पूछने पर उसका जवाब होता है, 'मेरी चीजें मैली या फटी इसलिए होती हैं, क्योंकि मैं इनका सबसे ज्यादा प्रयोग करता हूं। तुम लोगों की तरह नहीं कि हर चीज को शो-पीस बनाकर रखूं।' ऐसे ही किसी के हाथ धोने के लिए कहने पर उसका जवाब होता, 'हाथ तो वही रहेंगे न, धोएं या न धोएं, क्या फर्क पड़ता है?'

स्पर्श की इन बे-सिर पैर की बातों से सभी चिढ़ते हैं। इस बार क्रिसमस की छुट्टियों में स्पर्श की मौसी का बेटा पंकज कुछ दिनों के लिए आया। पंकज उससे बड़ा है। वह बहुत समझदार भी है। स्पर्श के कई दोस्तों से पंकज मिला, उसे इनसे स्पर्श का सफाई से न रहने की आदत के बारे पता चला। पंकज ने मन ही मन नववर्ष से पहले उसकी इस आदत को छुड़ाने का निश्चय किया।

स्पर्श का दोस्त अमन बीमार चल रहा था। पंकज कुछ सोचकर स्पर्श के साथ अमन से मिलने उसके घर गया। दोनों को देखकर अमन को खुशी हुई। वह बोला, 'अच्छा हुआ, तुम लोग आ गए। मेरा मन बहल जाएगा। वैसे अब मैं बिल्कुल ठीक हूं। खांसी-जुकाम हो गया था।'

तभी अमन की मम्मी वहां आकर बोलीं, 'मैं चाय-नाश्ता लेकर आती हूं अभी।'

यह सुनकर पंकज ने स्पर्श से कहा, 'आंटी, रसोई में चाय-नाश्ता तैयार कर रही हैं। तुम जाकर ले आओ।'

स्पर्श तुरंत रसोईघर की ओर चला गया। कुछ देर बाद वह गर्म-गर्म चाय-नाश्ता लेकर आया। स्पर्श नाश्ता शुरू करने वाला था कि अमन ने टोका, 'अरे...अरे... यह क्या कर रहे हो? पहले जाकर अच्छे से हाथ साफ करके आओ।' अमन ने यह भी बताया, 'मेरे एक रिश्तेदार का बेटा इन दिनों बहुत बीमार चल रहा है। उसे टाइफाइड हो गया है। डॉक्टरों ने बोला है कि उसे ठीक होने में समय लगेगा। वह भी बिना हाथ साफ करे चीजें खा लेता है। इसलिए गंदगी के कीटाणुओं ने उसे अपना शिकार बना लिया है। उसके बोर्ड के एग्जाम सिर पर हैं। ऐसे में वह बीमार हो गया है। उसकी पढ़ाई का हर्जा हो रहा है। पता नहीं वह बोर्ड के एग्जाम दे भी पाएगा या नहीं?' अमन आगे बोला, 'बीमार पड़ने से अच्छा है कि पहले से ही साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए।'

अमन की बातें सुनकर स्पर्श घबरा सा गया। वह वॉश बेसिन की ओर भागा। जैसे ही वह हाथ धोने गया, पंकज और अमन एक-दूसरे की ओर देखकर मुस्कुराए। दरअसल, पंकज ने ही स्पर्श को जान बूझकर नाश्ता लेने के लिए कमरे से बाहर भेजा था। उसके कमरे से जाते ही पंकज ने अमन को झूठ-मूठ की कहानी बनाने के लिए कहा था। इस कहानी ने अपना काम कर दिखाया।

हाथ धोकर आने के बाद स्पर्श चाय-नाश्ता करते हुए बोला, 'भाई, मेरा तो आने वाले नए साल में यही संकल्प है कि हमेशा कुछ खाने-पीने से पहले अच्छी तरह हाथ धोऊंगा।'

स्पर्श की बात सुनकर पंकज बोला, 'भाई तुम्हारा यह संकल्प तो सारे संकल्पों पर भारी है, क्योंकि स्वच्छता है तो स्वास्थ्य है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क होता है। इस तरह तो तुम हर जगह बाजी मार ले जाओगे।'

पंकज की बात पर अमन और स्पर्श हंस पड़े। कमरे में नाश्ते की खुशबू फैल चुकी थी। तीनों नाश्ते का आनंद लेते हुए यह प्लान करने लगे कि नववर्ष कैसे सेलिब्रेट करेंगे? *

तुम्हारे लिए नई किताब / अनुराग मनींद्र

प्रेरित करती रोचक कहानियां

बच्चो, तुम्हारे लिए बाल कहानियों का एक संग्रह 'शेर की मूंछ के बाल' कुछ समय पहले छपकर आया है। रेखा शाह आरबी द्वारा लिखी गई इस किताब में चौदह मनोरंजक और शिक्षाप्रद कहानियां संकलित हैं। संग्रह की कहानियों में इंसानी पात्र तो हैं ही, कई कहानियों में जंगल के जीव-जंतुओं को पात्र के रूप में प्रस्तुत किया गया है। किताब की शीर्षक वाली कहानी 'शेर की मूंछ के बाल' मनोरंजक होने के साथ-साथ तुम्हें अपनी गलती का एहसास कर उसे सुधारने की सीख भी देती है। 'टूटी गुल्लक' बहुत ही प्यारी कहानी है, जिसमें तुम पढ़ोगे कि गोलू किस तरह अपने दोस्त राजू की मदद करता है। यह कहानी तुम्हें सच्ची दोस्ती का महत्व समझाएगी। 'गुल्लू का बर्थ-डे' शीर्षक कहानी में गुल्लू अपना बर्थ-डे कुछ इस तरह मनाता है कि उसके सभी दोस्त उससे इंस्पायर होकर तय करते हैं कि वे भी अपना बर्थ-डे ऐसे ही मनाएंगे। यह कहानी तुम्हें अपनी खुशियां जरूरतमंदों के साथ बांटने पर मिलने वाली खुशी का एहसास कराएगी। 'पिंकी का सपना' कहानी में तुम पढ़ोगे कि पिंकी ने किस तरह दादाजी के साथ मिलकर अपने सपने को सच किया। यह कहानी तुममें प्रकृति-प्रेम और पर्यावरण की रक्षा के भाव जगाएगी। इन कहानियों के अलावा 'तोताराम को मिली सीख', 'साबू और शहद', 'तोलू मोलू और करेला', 'पक्की वाली दोस्ती', 'लोमड़ी की चांद ट्रिप टूरिस्ट एजेंसी' कहानियां भी तुम्हें खूब पसंद आएंगी। साथ ही ये कहानियां तुम्हें नैतिक और व्यावहारिक ज्ञान भी देंगी। *

किताबः शेर की मूंछ के बाल (बाल कहानी संग्रह), **लेखिकाः** रेखा शाह आरबी, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** साहित्यांजलि प्रकाशन, प्रयागराज

जीके क्विज-185

1. भारत के राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की रचना किसने की?
2. ग्लोबल फैमिली डे कब मनाया जाता है?
3. हाल ही में फेमस फुटबॉलर लियोनेल मेसी की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा का अनावरण कहां हुआ है?
4. किस देश ने जूनियर हॉकी विश्व कप 2025 जीता है?
5. टाइम मैगजीन द्वारा किसे टाइम एंटरटेनर ऑफ द ईयर 2025 चुना गया है?
6. हैदराबाद किस नदी के किनारे बसा है?
7. नवंबर महीने के लिए आईसीसी वूमेन प्लेयर ऑफ द मंथ किसे चुना गया है?
8. भारत के किस राज्य की राजभाषा अंग्रेजी है?
9. भारत के किस राज्य में लोकसभा की सर्वाधिक सीटे हैं?
10. 'भारत भारती' नामक पुस्तक के रचयिता कौन हैं?

बच्चों, जीके क्विज-185 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-184 का उत्तर : 1.दीपावली, 2.जसप्रीत बुमराह, 3.खान अब्दुल गफ्फार खान, 4.गुजरात, 5.माउंट बेटन, 6.ओडिशा, 7.क्षिप्रा नदी, 8.22 दिसंबर, 9.विनेश फोगाट, 10.पत्रकारिता

जीके क्विज-184 का सही उत्तर देने वाले : साकेत-दुर्ग, कबीर-हिसार, उर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, चीनू-रायगढ़, ज्योति-बैकुंठपुर, नीटू-सीतापुर, प्रतीक-बलौदा बाजार, दिव्या-रोहतक, साकेत-महासमुंद, कमल-रोहतक

रंग भरो-192

रंग भरो-192 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आन्या, दुर्ग | दीक्षांत, रायपुर | दिया, रोहतक | आशना, जांजगीर | हिताक्षी, महेंद्रगढ़ | पयोनिधि, अंबिकापुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

सुयश-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, अंकिता-ईमेल से, अंतरा-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, कोमल-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, अमन-जांजगीर, कुसुम-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, रितेश-बलौदा बाजार

रंग भरो 193

बच्चो, इस ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में कुछ बच्चे न्यू ईयर सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

11 सूत्रीय मांगों को लेकर 29 से फेडरेशन का 3 दिवसीय आंदोलन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। लंबे समय से लंबित मांगों पर कोई ठोस निर्णय न होने से कर्मचारियों में भारी नाराज़गी है, जो अब आंदोलन के रूप में सामने आ रही है।

जिले में 29 से 31 दिसंबर तक प्रशासनिक गतिविधियां

ठप्प रहेगा कार्यालयों में कामकाज

प्रभावित हो सकती हैं। जानकारी अनुसार छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर तीन दिन का पूर्ण कामबंद और कलमबंद आंदोलन करने का ऐलान किया है।

अधिकारियों का आरोप है कि केंद्र के समान देय तिथि से लाभ न मिलने के कारण उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।बार-बार ज्ञापन सौंपने के बावजूद शासन के उपेक्षापूर्ण रवैये ने अब उन्हें हड़ताल जैसा कड़ा कदम उठाने पर मजबूर कर दिया है। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने सरकार के लगातार उपेक्षापूर्ण रवैये के विरोध में 3 दिवसीय हड़ताल की घोषणा की है। जा रहा है,फिर भी सरकार सकारात्मक समाधान नहीं करती तो अंतिम चरण में अनिश्चितकालीन आंदोलन करने को बाध्य होंगे। मोदी की को दे दी है। जिला संयोजक महिला प्रकोष्ठ श्रीमती प्रतिमा सिंह ने आंदोलन की रूपरेखा से अवगत कराते हुए सभी अधिकारी कर्मचारियों से

फेडरेशन के अनुसार शासन द्वारा बारंबार पत्राचार एवं एक दिवसीय हड़ताल के बावजूद लंबित मांगों पर कोई सकारात्मक पहल नहीं होने से संगठन आंदोलन को बाध्य हुआ है। फेडरेशन के जिला संयोजक डॉ आर एस सिंह ने बताया कि पूर्व में फेडरेशन के द्वारा प्रथम चरण में मशाल रैली,द्वितीय चरण में एक दिवसीय ध्यानाकर्षण रैली व तृतीय चरण में तीन दिवसीय निश्चितकालीन आंदोलन किया गारंटी के अनुरूप कर्मचारियों को देय 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता तथा लगभग 80 माह का लंबित एरियर्स जीपीएफ खाते में समायोजित करने सहित 11 सूत्रीय मांगों पर सरकार उदासीन है। इसी के चलते फेडरेशन 29 से 31 दिसंबर तक 3 दिन की हड़ताल करेगा। इस दौरान सभी सरकारी कार्यालयों में कामकाज ठप्प रहेंगे,जिसकी सूचना जिले के समस्त अधिकारी, कर्मचारियों ने अपने अपने विभाग प्रमुख एकजुट होकर आंदोलन में शामिल होने अपील किया गया। जिला महासचिव इकबाल अंसारी व जिला मीडिया प्रभारी राधेश्याम साहू ,रमेश राजवाड़े ने बताया कि फेडरेशन द्वारा शासन से लगातार पत्राचार किया जा रहा है किंतु शासन द्वारा मांगों पर संज्ञान नहीं लेने से प्रदेश के समस्त कर्मचारियों में आक्रोश पनपता जा रहा है,शासन का ध्यानाकर्षण कराने के लिए फेडरेशन द्वारा तीन दिनों का आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है, फिर भी यदि सरकार मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो प्रदेश के समस्त अधिकारी कर्मचारी कार्यालयों में तालाबंदी कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जायेंगे, जिसका जिम्मेदार पूर्णतः सरकार का वादाखिलाफी रवैया होगा। ये हैं फेडरेशन की प्रमुख मांगें केंद्र के समान देय तिथि से कर्मचारियों व पेंशनरों को महंगाई भत्ता । वर्ष 2019 से लंबित महंगाई भत्ता एरियर्स को जीपीएफ में समायोजित करना। सभी संवर्गों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान लिपिक, शिक्षक, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास सहि विभिन्न विभागों की वेतन विसंगति दूर करना तथा पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक करना। प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा लाभ की गणना सहायक शिक्षक, पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों को तृतीय समयमान सहित अन्य मांगें शामिल हैं।

शराब के नशे में युवक ने किया अग्निस्नान, हुई मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बीती रात नगर के एक युवक ने अग्निस्नान कर लिया जिसकी शनिवार को मौत हो गई है। घटना नगर के मानपुर मोहल्ले वार्ड क्र. 14 में हुई है। बताया गया है कि युवक शराब का आदि था और बीती रात भी वह नशे में था। परिजनों की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच कर रही है। बताया गया है कि मानपुर मोहल्ले के गोड़पारा का करीब 35 आगर साय शराब का आदि था शुक्रवार की रात को भी वह छककर शराब का सेवन किया था और अपने छोटे पुत्र को बाईक में पेट्रोल डालना है कहकर मोहल्ले के एक दुकान में पेट्रोल लेने भेज दिया जिसपर उसके पुत्र ने उसे पेट्रोल लाकर दिया। जिसके तुरंत बाद वह अपने शरीर मे पेट्रोल डालकर आग लगा लिया। उसकी पत्नी व बच्चो ने पानी डालकर आग

बुझाया और अस्पताल ले जाने लगे। जिसपर वह अस्पताल जाने से मना कर दिया और घर पर सो गया। शनिवार की सुबह जब वह काफी देर तक नहीं उठा तो आगर साय की पत्नी उसे उठाने पहुंची तो वह बिस्तर पर मृत पड़ा था। परिजनों ने जब कपड़ा उतारकर देखा तो कमर के ऊपर का हिस्सा करीब 60 प्रतिशत जला हुआ था। जिसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौप दिया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की पूछताछ कर रही है। बताया गया है कि मृतक ने पूर्व में भी शराब के नशे में चाकू से अपने हाथ को दो बार काट चुका था और इस बार उसने अग्निस्नान कर लिया जिससे उसकी मौत हो गई।

नए और युवा मतदाताओं के लिए पंजीकरण अभियान शुरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन के मार्गदर्शन में जिले में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है।भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत सभी पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु आवेदन करने की अपील की गई है। इसके तहत फॉर्म-6 एवं घोषणा पत्र भरकर पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। निर्देशों के अनुसार, 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके भारतीय नागरिक, जो संबंधित विधानसभा क्षेत्र के सामान्य निवासी हों तथा किसी अन्य स्थान की मतदाता सूची में पंजीकृत न हों, वे मतदाता पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, वे युवा मतदाता जो 1 अप्रैल, 1 जुलाई अथवा 1 अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करेंगे, वे भी अग्रिम रूप से फॉर्मङ्क6 के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। मतदाता ECINET App डाउनलोड कर अथवा Voters Portal (www.voters.eci.gov.in) पर जाकर मोबाइल नंबर एवं ओटीपी के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। पोर्टल पर New Voter Registration टैब के माध्यम से फॉर्म-6 एवं घोषणा पत्र भरने की सुविधा उपलब्ध है। मतदाताओं के लिए ऑफलाइन आवेदन की भी व्यवस्था है। ऑफलाइन आवेदन के लिए, फॉर्म-6 एवं घोषणा पत्र संबंधित बीएलओ से प्राप्त कर भरकर उनके पास जमा किया जा सकता है। इच्छुक नागरिक वेबसाइट से भी फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं। निर्वाचन आयोग ने नागरिकों से अपील की है कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए समय रहते अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य जुड़वाएं। किसी भी प्रकार की सहायता अथवा जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1950 पर संपर्क किया जा सकता है।

गंगोटी में अवैध धान संग्रहण पर 214 बोरी धान जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ग्राम गंगोटी में राजस्व व खाद्य की टीम ने अवैध धान संग्रहण के एक मामले पर शिकंजा कसा है। उन्होंने गंगोटी में संचालित एक दुकान से बिना लाइसेंस अवैध रूप से खरीदे गए धान की 214 बोरी जब्त की। जिस पर मंडी अधिनियम के तहत अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर तहसीलदार उमेश कुशवाहा द्वारा बताया गया कि इसके पूर्व भी दुकानदार बिना किसी वैध लाइसेंस के अवैध रूप से धान की खरीद-फरोख्त किया जा रहा था। छापेमारी के दौरान धान के साथ-साथ अन्य कृषि उपज सरसों व अलसी भी गोदाम में मिली, जिसे तत्काल जब्त कर लिया गया। गौरतलब है कि दुकानदार विरुद्ध पूर्व में की गई कार्रवाई में दुकान से अवैध धान को 740 बोरी जब्त की गई थी।

किसान कांग्रेस की जिला कार्यकारणी का विस्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सचेन्द्र पाठक ने राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखपाल सिंह एवं राष्ट्रीय प्रभारी अखिलेश शुक्ला की सहमति एंव प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा एवं प्रदेश संगठन प्रभारी अकील हुसैन,प्रदेश उपाध्यक्ष विमलेशदत्त तिवारी की अनुमति से जिला कार्यकारणी का विस्तार किया है।जिसमे इंद्रजीत शर्मा, विकास गुप्ता देवनगर,वेद प्रकाश मिश्रा अजबनगर,सुपारी लाल राजवाड़े,भुवनेश्वरपुर शशांक सिंह ओड़गी,आशिक़ अंसारी भैयाथान को जिला उपाध्यक्ष, ब्रिज लकड़ा तेजपुर, रमेश साहू बकीरमा,जय बाबू जयसवाल को जिला महामंत्री, ईश्वर दास फुलकोना, अनिल मिश्रा जमदेई, पूजा कुशवहा गनेशपुर, राजेंद्र सिंह, सुखदेव सिंह कांतिपुर, राजेश प्रसाद जयसवाल नवाटोला, कमलेश सिंह, जगधारी सिंह, धनसाय पंडो सेमरा, संजय साकेत, विनीत जयसवाल कछवारी, गोपाल यादव खसरुरा रामकेश्वर राजवाड़े नमदगिरी को जिला सचिव बनाया गया है।

कलेक्टर ने मां महामाया शक्कर कारखाना केरता में ली समीक्षा बैठक, बेहतर संचालन हेतु दिये आवश्यक दिशा निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शनिवार को कलेक्टर एस.जयवर्धन की अध्यक्षता में मां महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित केरता में तकनीकी एवं प्रबंधकीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी।

बैठक में कारखाने के सुचारू संचालन और किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने श्रक्कर सिस्टम को शतप्रतिशत संचालित करने और कारखाने को बेहतर तरीके से चलाने के की बात कही । साथ ही समन्वय व्यवस्था स्थापित करने के निर्देश दिए ।

बैठक के बाद कलेक्टर ने कारखाने में गन्ना पेराई और शक्कर उत्पादन की पूरी प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने उत्पादन इकाइयों का अवलोकन कर अधिकारियों को कुशल संचालन बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम प्रतापपुर, उप संचालक कृषि एवं उप आयुक्त सहकारिता जिला सूरजपुर सहित कारखाने के प्रबंध संचालक, महाप्रबंधक वित्त, चीफ इंजीनियर, चीफ केमिस्ट, मुख्य गन्ना विकास अधिकारी, किसानों की सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी न रहे, इस हेतु बेहतर प्रबंधन व अकाउंटेंट, सुरक्षा प्रभारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मनरेगा से आत्मनिर्भर बने रामदास, सिंचाई सुविधा ने खोले समृद्धि के द्वार

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। ग्रामीण विकास अंतर्गत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम मनरेगा ने ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भरता की राह दिखाई है। वाड्रफनगर जनपद की ग्राम पंचायत पनसरा निवासी श्री रामदास इसका जीवंत उदाहरण है, जहाँ मनरेगा अंतर्गत बने एक कुएं ने न केवल सिंचाई की समस्या का समाधान किया, बल्कि पूरे परिवार के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

वाड्रफनगर जनपद के ग्राम पंचायत पनसरा निवासी श्री रामदास के परिवार की कहानी ग्रामीण आत्मनिर्भरता की एक प्रेरक मिसाल बन चुकी है। कभी कृषि और मजदूरी पर निर्भर यह परिवार आज अपनी मेहनत और मनरेगा के सहयोग से आर्थिक रूप से सशक्त हो गया है। पूर्व में सिंचाई की समुचित व्यवस्था न होने के कारण श्री रामदास खेती को पर्याप्त समय नहीं दे पाते थे। वर्षा पर निर्भर खेती के कारण सीमित उत्पादन होता था और परिवार की आजीविका मुख्यतः मनरेगा मजदूरी तक सीमित थी। ऐसे में

ग्राम सभा के माध्यम से जब उन्हें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अंतर्गत कुआं निर्माण की जानकारी मिली, तो उन्होंने अपनी भूमि पर कुआं निर्माण हेतु आवेदन किया। वर्ष 2023-24 में रामदास को 2 लाख 70 हजार रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई, जिससे उनकी 2.50 एकड़ भूमि पर कुएं का निर्माण किया गया। कुआं बनते ही उनके जीवन में बड़ा परिवर्तन आया। अब खेतों को नियमित सिंचाई मिलने लगी और वे खरीफ के साथ-साथ रबी फसलों की खेती भी करने लगे। आज श्री रामदास अपनी भूमि पर धान के साथ सरसों जैसी तिलहन फसलों की खेती कर रहे हैं। इसके अलावा आलू, गोभी, टमाटर सहित विभिन्न सब्जियों की खेती से उन्हें नियमित आय प्राप्त हो रही है। इससे न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि घर में पोषणयुक्त सब्जियों की उपलब्धता भी सुनिश्चित हुई है। अतिरिक्त उत्पादन को बाजार में बेचकर परिवार को अतिरिक्त आमदनी भी हो रही है।

श्री रामदास का कहना है कि मनरेगा ने हमें आत्मनिर्भर बनाया है। अब मजदूरी की मजबूरी नहीं रही। खेतों में सालभर खेती हो रही है। मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आजीविका के स्थायी साधनों का सृजन कर रही है।जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलने के साथ लाखों परिवारो आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं।

परिवहन विभाग व जर्नी संस्था ने शहर में चलाया सड़क सुरक्षा हेतु जागरूकता अभियान

नियम तोड़ने वाले को समझाईश व पालन करने वालों का किया सम्मान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश के अनुपालन में परिवहन विभाग द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को टूर ऑन फुट जर्नी संस्था के सदस्यगण भी परिवहन विभाग के साथ थे। परिवहन विभाग व संस्था ने साथ मिलकर सड़क सुरक्षा शिक्षा जीवित रहने के के व्यापक प्रचार-प्रसार व जन जागरूकता अभियान चला रही है, जिसके तहत अब तक उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य में 29 जिलों का सफर तय कर सदस्यों ने परिवहन विभाग के अधिकारी व कर्मचारीगण के साथ मिलकर यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक किया। अभियान के दौरान यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए बिना हेलमेट, लाइसेंस, सीटबेल्ट के वाहन चलाने वालों, तीन सवारी करने वालों और लापरवाही से गाड़ी चलाने वालों को रोककर नियमों का पालन करने की समझाइश दी गई। उन्हें यातायात नियमों का गंभीरता से पालन करने की शपथ भी दिलाई गई। वहीं, यातायात नियमों का सजगता से पालन करने वाले

नगण्य करने की दिशा में शनिवार को एक अभियान जिले के सिटी कोतवाली थाने के समीप चलाया। इस महती कार्य में डेंजर्स एडवेंचर्स अंतर्वेद स्पोर्ट्स लागेस्ट वर्ल्ड लिए किसी भी अन्य बुनियादी कौशल की तरह आवश्यक है यह संदेश सड़क पर यातायात करने वाले आमजन को दिया। जर्नी संस्था शहर शहर जाकर विभिन्न स्थानों पर सड़क सुरक्षा शनिवार को सूरजपुर को चुना था। टीम ने परिवहन विभाग के सहयोग से शहर के विभिन्न मार्गों पर सड़क सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया। संस्था के सदस्य जितेंद्र प्रताप एवं अन्य नागरिकों को पुष्पगुच्छ और चॉकलेट देकर सम्मानित किया गया। उनसे यह आश्वासन लिया गया कि वे व अन्य लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक और प्रेरित करते रहेंगे।

जिले के प्रतापपुर व भैयाथान क्षेत्र में कलेक्टर ने किया गन्ने की फसल एवं नलकूप योजना का निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस.जयवर्धन ने शनिवार को प्रतापपुर व भैयाथान क्षेत्र में विभिन्न गांवों का दौरा कर रबी फसलों की स्थिति का जायजा लिया और डीएमएफ के तहत लगे नलकूपों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कृषक बंधुओं को फसल विविधीकरण अपनाते हुये दलहन-तिलहन व अन्य फसलों को लगाने की बात कही। ऐसा करके किसान बंधु घटते हुए जल स्तर के पश्चात भी बेहतर फसल प्राप्त कर सकेंगे और खेत की मिट्टी की उर्वरा क्षमता को भी बनाए रखेंगे।

प्रतापपुर के ग्राम सकलपुर में कलेक्टर ने कृषक मंगलेश्वर पुत्र के गन्ने के खेत का निरीक्षण किया। उन्होंने गन्ने की फसल एवं कटाई की स्थिति का अवलोकन किया।

कृषक ने गन्ने की खेती की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद उनके द्वारा ग्राम सकलपुर के कृषक शिवसागर के खेत में डीएमएफ द्वारा उपलब्ध कराए गए नलकूप का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर विकासखंड भैयाथान भी पहुंचे। उन्होंने वहां ग्राम टइयां में कृषक सहदेव को डीएमएफ द्वारा प्रदत्त नलकूप का निरीक्षण किया। कृषक से चर्चा के दौरान सहदेव ने बताया कि वह नलकूप के पानी का उपयोग कर आलू एवं सरसों की खेती कर रहे हैं। कृषक ने कलेक्टर को अपना खेत भी दिखाया। इस अवसर पर कलेक्टर ने पानी की कमी और मिट्टी की गुणवत्ता व पोषक तत्व को बनाए रखने व भविष्य को ध्यान में रखते हुए कृषकों को ग्रीष्मकालीन धान नहीं लगाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ग्रीष्मकालीन धान का रकबा कम किया जाए और किसानों को अन्य वैकल्पिक फसलें लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि जल संरक्षण के दृष्टिकोण से ग्रीष्मकालीन धान की खेती कम करना आवश्यक है। किसानों को कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों की ओर प्रेरित करने की जरूरत है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन
हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा
अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

कांग्रेस ने बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुखिया मो. यूनुस का पुतला दहन किया

कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने कहा-बेगुनाह हिंदुओं पर अत्याचार बंद हो, प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं की हत्या और उन पर संगठित हमलों को लेकर शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने घड़ी चौक पर बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुखिया मो. यूनुस का पुतला दहन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा गया। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता राजीव भवन से घड़ी चौक तक पैदल मार्च कर जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के नेतृत्व में पुतला दहन किए। अगस्त 2024 में शेख हसीना के सरकार के अपदस्थ होने के बाद अल्पसंख्यक हिंदुओं पर संगठित हमले प्रारंभ हो गए। मो. यूनुस के द्वारा बांग्लादेश की कट्टरपंथी संस्था जमाते इस्लामी पर रोक हटाने के बाद इस प्रकार की गतिविधि प्रारंभ हुई थी। इस मामले में केंद्र की मोदी सरकार का रवैया अब तक ढुलमुल रहा है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार को लेकर देश को वही दृढ़ता वाला रवैया अपनाना चाहिए, जैसे पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी ने अपनाया था। देश की जनता यह चाहती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन को तो लाल आंख नहीं दिखला पाए कम से कम बांग्लादेश को तो दिखलाएं, ताकि बेगुनाह हिंदुओं पर अत्याचार बंद हो। निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने बांग्लादेश के उन कट्टरपंथी गुटों की कड़ी निंदा की, जो वहां अल्पसंख्यक हिंदुओं की नृशंस हत्या कर रहे हैं। किसी भी लोकतांत्रिक देश में वहां के अल्पसंख्यक समुदाय की रक्षा वहां के सरकार की जिम्मेदारी होती है। निश्चय ही बांग्लादेश की सरकार इस मामले में विफल रही है। इस मामले में मोदी सरकार को ढुलमुल रवैया छोड़ कड़े कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। पुतला दहन के कार्यक्रम में, पीसीसी उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव, पीसीसी महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा, मो. इस्लाम, विनय शर्मा, रामविनय सिंह, जगन्नाथ कुशवाहा, हेमंत तिवारी, संजय विश्वकर्मा, मुनेश्वर राजवाड़े, डॉ. लालचंद यादव, इंद्रजीत सिंह धंजल, अनिल सिंह, दुर्गेश गुप्ता, संजीव मंदिलवार, लक्ष्मी गुप्ता, पपिन्दर सिंह, संजय सिंह, गुरूप्रीत सिद्धू, नरेंद्र विश्वकर्मा, धर्मेंद्र ताम्रकार, सतीश बारी, निकी खान, सोहन जायसवाल, अमित सिन्हा, आलोक सिंह, शुभम जायसवाल, शिवप्रसाद अग्रहरि, दिलीप धर, बबन सोनी, अंकित जायसवाल, राधे अग्रवाल सहित काफी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद थे।

महिला अत्याचार को लेकर कैंडिल मार्च

उन्नाव रेप केस में न्यायालय के फैसले और अंकिता भंडारी हत्याकांड में बड़े भाजपा नेताओं का नाम सामने आने के बाद निष्पक्ष जांच और अदालत में सही पक्ष रखने को लेकर महिला कांग्रेस सरगुजा ने कैंडिल मार्च निकालकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया है। महिला कांग्रेस शहर की जिलाध्यक्ष सीमा सोनी ने कहा कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के आरोपी भाजपाइयों को जिस प्रकार का संरक्षण मिल रहा है, उससे अचंभित हैं। भाजपा सरकार के द्वारा भाजपाई अपराधियों के प्रति अपनाया गया रवैया समाज में महिला अपराध को बढ़ाने वाला कदम साबित हो रहा है। महिला कांग्रेस ने घड़ी चौक पर प्रदर्शन के उपरांत मोमबत्ती जलाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। इस दौरान संध्या रवानी, गीता प्रजापति, रुही गजाला, प्रीति सिंह, पूर्णिमा सिंह, नुजहत फातिमा, हीरो बड़ा, हमीदा बनो, गीता रजक, सपना सिन्हा, उर्मिला विश्वास, कल्पना गुप्ता, प्रतिमा सिंह, असगरी बेगम, अंजू, ममता उपस्थित थे।

तुष्टिकरण के लिए इतिहास से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं-सिसोदिया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। इतिहास पर मुगलों को लेकर पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि मुगल शासन को लेकर दिए जा रहे तथ्यहीन, भ्रामक और तुष्टिकरण से प्रेरित बयानों की भारतीय जनता पार्टी कड़े शब्दों में भर्त्सना करती है। यह दावा कि मुगल काल में हिंदुओं पर किसी प्रकार का अत्याचार नहीं हुआ, यह कहना भारत की सभ्यता, आस्था और असंख्य बलिदानों का खुला अपमान है। भारत में अपनी सत्ता स्थापित करने के लिए मुगलों ने कई तरह के हथकंडे अपनाए, तत्कालीन हिन्दुस्तानियों का मनोबल तोड़ने का पूरा प्रयास किया, अब कांग्रेसी भ्रम पैदा करके मनोबल पर आघात करना चाहते हैं ।

उन्होंने बताया कि इतिहास के प्रामाणिक स्रोत मुगलकालीन फारसी ग्रंथ मासिर-ए-आलमगिरी, बाबरनामा, मुंतखब-उत-तवारीख, तथा आर.सी. मजूमदार और जदुनाथ सरकार जैसे प्रतिष्ठित इतिहासकारों के शोध स्पष्ट करते हैं कि औरंगज़ेब के शासनकाल में 1679 में हिंदुओं पर जज़िया कर लगाया गया, काशी विश्वनाथ और मथुरा के केशवदेव सहित अनेक प्राचीन मंदिरों का ध्वंस हुआ, हिंदू धार्मिक आयोजनों पर प्रतिबंध लगाए गए और जबरन धर्मांतरण की घटनाएं दर्ज हैं। श्री सिसोदिया ने कहा है कि वीर बाल दिवस के पावन अवसर पर इस प्रकार का बयान देना गुरु गोविंद सिंह के चार साहेबजादों तथा गुरु तेग बहादुर के सर्वोच्च बलिदान का घोर अपमान है, जिन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर किया। आज भी कश्मीर, पश्चिम बंगाल सहित कई क्षेत्रों में उभरती कटु वास्तविकताएं इस बात की चेतावनी देती हैं कि इतिहास से सबक न लेने की कीमत समाज को बार-बार चुकानी पड़ती है। आगे उन्होंने बताया एनसीईआरटी की नई इतिहास पुस्तकों (विशेषकर कक्षा 8), विद्वान कोएनराड एल्स्ट के शोध, हिस्ट्री ऑफ औरंगजेब, सिख इतिहास और मराठा इतिहास की प्रमाणिक पुस्तकों में इन तथ्यों का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। इसके बावजूद कांग्रेस और उनके नेता, जो अतीत में भगवान श्रीराम, रामसेतु के अस्तित्व को नकारते रहे हैं और लगातार आपत्तिजनक टिप्पणियां करते आए हैं, आज मुगलों को हिंदुओं का संरक्षक बताने का दुस्साहस कर रहे हैं। यह उनके दोहरे चरित्र और तुष्टिकरण की राजनीति को उजागर करता है। उन्होंने कहा है भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट करती है कि इतिहास को न तो वोट-बैंक की राजनीति के लिए तोड़ा-मरोड़ा जा सकता है और न ही झूठे आख्यानों से सत्य को दबाया जा सकता है। साथ ही देशवासियों से विशेष अपील है कि वे प्रमाणित ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर ही मत बनाएं और राष्ट्र की स्मृति, आत्मसम्मान एवं एकता को कमजोर करने वाले हर प्रयास को सिरे से खारिज करें।

सरगुजा संभाग में वन्यजीवों का हमला बढ़ा, सरगुजा संभाग में 7 माह में 276 मामले सामने आए

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग में वन्यजीवों के हमलों से लोग परेशान हैं। हाथियों का आतंक में हर वर्ष कईयों की जान जाती हैं, वहीं संभाग के सरगुजा वन वृत्त के 6 जिलों के साथ-साथ एलीफेंट रिजर्व व गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में भालू, जंगली सुअर सहित अन्य वन्य जीवों का आतंक रहा है। सबसे ज्यादा भालू व जंगली सुअर के हमले में संभाग भर में 48 लोग जख्मी हुए हैं। वन्यजीवों द्वारा पशुओं पर हमला करने के मामले सरगुजा संभाग में 276 है। बता दें कि सरगुजा संभाग के जंगलों में हाथियों के अलावा वन्य प्राणियों में भालू, जंगली सुअर, तेंदुआ, बाघ की पदचाप सुनने को मिलती है। इसी क्रम में एक अप्रैल से 31 अक्टूबर 2025 की स्थिति पर नजर डालें तो 48 से अधिक लोग भालू व जंगली सुअर का शिकार हुए हैं, जिनमें 3 लोगों की मौत हुई है, 3 लोग स्थायी रूप से अपंग हो चुके हैं। सर्वाधिक मनेन्द्रगढ़ जिले में 18 व बलरामपुर जिले में 12 लोग भालू के हमले में घायल हुए हैं। भालू के हमले में बलरामपुर जिले से 2 व मनेन्द्रगढ़ जिले से एक की मौत हुई है। वन विभाग द्वारा इनके स्वजन को 18 लाख रुपये मुआवजा प्रदान किया है। सरगुजा संभाग में पशु हानि के 276 प्रकरण सामने आए हैं, इनमें कोरिया जिले के सर्वाधिक 71, गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के 63 व सूरजपुर जिले के 61 मामले शामिल हैं।

जिला जेल रामानुजगंज में क्षमता 313 कैदियों की, वर्तमान में 475 से अधिक कैदी निरुद्ध

अव्यवस्थाओं को लेकर छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष ने उठाई आवाज

छ.ग.फ्रंटलाइन रामानुजगंज। छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष बसंत कुजूर ने जिला जेल रामानुजगंज में व्याप्त समस्याओं को लेकर शासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए जेल अधीक्षक के लिए वाहन तथा कैदियों के उपचार हेतु अतिरिक्त वाहन उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि वर्तमान में जिला जेल में बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी है, जिसके कारण न केवल जेल प्रशासन बल्कि कैदियों को भी गंभीर असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें कि जिला जेल रामानुजगंज की स्वीकृत क्षमता मात्र 313 कैदियों की है, जबकि वर्तमान में यहां लगभग 475 से अधिक कैदी निरुद्ध हैं। क्षमता से कहीं अधिक कैदियों की मौजूदगी के कारण आवास, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सुरक्षा जैसी मूलभूत व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि इतनी अधिक संख्या में कैदियों को समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। जेल में अक्सर कैदी बीमार पड़ते रहते हैं, वर्तमान में केवल एक कंडम गाड़ी उपलब्ध होने के कारण उन्हें अस्पताल ले जाने में काफी परेशानी होती है। कई बार आपात स्थिति में समय पर इलाज नहीं मिल पाने का खतरा बना रहता है। कैदियों के मानवाधिकारों को ध्यान में रखते हुए शासन को तत्काल अतिरिक्त वाहन उपलब्ध कराना चाहिए, ताकि बीमार कैदियों को समय पर उपचार मिल सके। उन्होंने विश्वास जताया कि शासन इस विषय पर सकारात्मक निर्णय लेकर आवश्यक कदम उठाएगा।

प्रशासनिक कार्यों के लिए वाहन की कमी खल रही

छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष ने कहा है कि जेल अधीक्षक एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए अलग से वाहन की व्यवस्था होना आवश्यक है, जिससे निरीक्षण, न्यायालयीन कार्य एवं अन्य प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन सुचारु रूप से किया जा सके। वाहन के अभाव में कार्य प्रभावित होता है, जिसका सीधा असर व्यवस्था पर पड़ता है।

विवेचना यायपूर्ण, निष्पक्ष एवं संवेदनशील हो

बसंत कुजूर ने विवेचना प्रक्रिया पर चिंता जताते हुए कहा कि कैदियों के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए विवेचना न्यायपूर्ण, निष्पक्ष एवं संवेदनशील होनी चाहिए। उन्होंने शासन से जिला जेल रामानुजगंज की वर्तमान स्थिति को गंभीरता से लेते हुए संसाधनों एवं सुविधाओं में शीघ्र वृद्धि का आग्रह किया है, ताकि कैदियों को मानवीय गरिमा के अनुरूप जीवन एवं उपचार की सुविधा मिल सके।

आपकी पूंजी-आपका अधिकार अभियान के तहत दावा शिविर कल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले के जमाकर्ताओं को उनकी अदावा, जमा राशि के प्रति जागरूक करने एवं दावा प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' अभियान के अंतर्गत जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता निधि दावा शिविर का आयोजन 29 दिसंबर को प्रात: 11 बजे से जिला पंचायत सभा कक्ष में किया जाएगा।

यह अभियान वित्तीय सेवा विभाग, भारत सरकार द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के समन्वय से तथा सेबी, इरडा एवं पीएफआरडीए जैसे प्रमुख वित्तीय नियामकों के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य निष्क्रिय खातों एवं अदावा वित्तीय परिसंपत्तियों को उनके वास्तविक खाताधारकों अथवा वैध उत्तराधिकारियों तक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से पहुंचाना है। इसके तहत ऐसे बैंक खाते जिनमें दो वर्ष या उससे अधिक समय तक कोई वित्तीय अथवा गैर-वित्तीय लेन-देन नहीं हुआ है, उन्हें निष्क्रिय माना जाता है। वहीं, दस वर्ष की अवधि पूर्ण होने के बाद खाते में शेष राशि जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता निधि में स्थानांतरित कर दी जाती है, जिसे बाद में संबंधित जमाकर्ता द्वारा दावा किया जा सकता है। शिविर में विभिन्न बैंकों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे, जो दावा प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, डीजीएएम पोर्टल के उपयोग, केवाईसी अद्यतन एवं नामांकन से संबंधित जानकारी देंगे तथा जमाकर्ताओं की शंकाओं का समाधान करेंगे। जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की है कि जिनके बैंक खाते लंबे समय से निष्क्रिय हैं अथवा जिनकी जमा राशि अदावा है, वे निर्धारित तिथि एवं समय पर शिविर में पहुंचकर पहचान पत्र, पता प्रमाण एवं बैंक से संबंधित दस्तावेज साथ लाकर लाभ उठाएं।

डिजिटल टोकन प्रणाली से धान विक्रय करना हुआ आसान, किसानों को मिली राहत

किसान गुलाब राम राजवाड़े ने धान खरीदी व्यवस्था को सराहा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में संचालित धान उपार्जन केन्द्रों पर लागू की गई पारदर्शी एवं डिजिटल व्यवस्था ने किसानों के लिए धान विक्रय की प्रक्रिया को सुगम, सरल और पूरी तरह से सुविधाजनक बना दिया है। ऑनलाइन टोकन प्रणाली, त्वरित भुगतान और बेहतर व्यवस्थाओं के चलते किसानों को अब किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। अंबिकापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत भिट्ठीकला के किसान गुलाब राम राजवाड़े ने बताया कि इस वर्ष धान की उपज अच्छी हुई है। उन्होंने बताया कि कुल 109 क्विंटल धान का रकबा है। धान विक्रय के लिए उन्होंने मोबाइल फोन के माध्यम से किसान तुहंर टोकन ऐप का उपयोग करते हुए पहला टोकन 90.60 क्विंटल का ऑनलाइन कटवाया। धान विक्रय के मात्र 48 घंटे के भीतर समर्थन मूल्य की राशि सीधे उनके बैंक खाते में जमा हो गई, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली। उन्होंने बताया कि दूसरा टोकन भी 16 क्विंटल का मोबाइल के माध्यम से आसानी से काट लिया गया है। डिजिटल व्यवस्था के कारण टोकन कटवाने के लिए धान उपार्जन केन्द्र के चक्कर नहीं लगाने पड़ता है, जिससे समय, श्रम और खर्च की बचत होती है। टोकन प्रक्रिया में किसी प्रकार की तकनीकी या अन्य दिक्कत नहीं हुई। राजवाड़े ने उपार्जन केन्द्र की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि केन्द्र पहुंचते ही गेट पास, नमी परीक्षण की प्रक्रिया पूरी की जाती है, तत्काल बारदाना उपलब्ध करा दिया जाता है। धान विक्रय के दौरान उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। किसानों के लिए केन्द्र में पेयजल, बैठने की समुचित व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के शासनकाल में किसानों को धान का सर्वाधिक समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है, जिससे किसानों को बड़ा आर्थिक लाभ मिल रहा है। प्राप्त राशि का उपयोग वे कृषि उपकरण खरीदने, गेहूं, सब्जी एवं अन्य फसलों की खेती में कर रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है। गुलाब राम राजवाड़े ने कहा कि जिले में धान खरीदी की व्यवस्था अत्यंत सराहनीय है और किसान इससे बहुत खुश हैं। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया।

अटल चौक सोनगरा में मनाया गया सुशासन दिवस

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। भारत रत्न एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 25 दिसंबर को ग्राम पंचायत सोनगरा स्थित अटल चौक में सुशासन दिवस का आयोजन श्रद्धा, गरिमा और उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता कर अटलजी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम की शुरुआत अटल बिहारी वाजपेयी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके की गई। आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने अटलजी के राष्ट्र निर्माण में अतुलनीय योगदान, उनकी दूरदर्शी सोच, सरल जीवनशैली और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी अटूट निष्ठा पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे विरले राजनेता थे, जिन्होंने सत्ता में रहते हुए भी नैतिकता, शालीनता और लोकतांत्रिक मर्यादाओं को सर्वोपरि रखा। इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष शरद चंद्र द्विवेदी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी केवल एक महान नेता नहीं, बल्कि सुशासन, राष्ट्रभक्ति और समावेशी विकास के प्रतीक थे। उनके नेतृत्व में देश को राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक सुधार और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में नई दिशा मिली। उन्होंने कहा अटलजी के विचार आज भी जनप्रतिनिधियों और समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर भी उनके सुशासन के सिद्धांतों को अपनाकर पारदर्शी व्यवस्था, जनहितकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और समग्र विकास संभव है। विचार गोष्ठी के दौरान वक्ताओं ने अटलजी की कवि-सुलभ संवेदनशीलता, सरल व्यवहार और दृढ़ राष्ट्रवाद को याद करते हुए कहा कि वे सदैव संवाद, सहमति और सहयोग की राजनीति के समर्थक रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सरपंच कृष्णा सिंह, दशरथ सिंह, जय बहादुर सिंह, आशीष दुबे, अनुराग द्विवेदी, बालेश्वर सिंह, महावीर देवांगन, रामसुभग देवांगन, झरिलाल, धनेश्वर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने अटलजी के बताए मार्ग पर चलने और सुशासन को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर